RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:323 ता. 14 जून 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

कुवैत अग्निकांड पीएम मोदी ने की मृतक के परिवारों को मुआवजा देने की घोषणा

नई दिल्ली। कुवैत अग्निकांड में कई भारतीयों की जान चली गई जिसको लेकर पूरा देश सदमे में आ गया। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर कुवैत अग्निकांड पर एक समीक्षा बैठक बुलाई। इस घटना में कई भारतीय नागरिकों की मौत हो गई और कई घायल हो गए हैं। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतक भारतीय नागरिकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपए अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। पीएम मोदी ने इस घटना पर गहरा दुख जताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। समीक्षा बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल समेत कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास से एक्स पर किए गए एक पोस्ट को शेयर करते हुए पीएम मोदी ने लिखा था- कुवैत शहर में आग लगने की दुर्घटना दुःखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और प्रभावितों की मदद के लिए वहां के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

शारीरिक रूप से फिटफाट युवा मानसिक रूप से बीमार

- नीदरलैंड जैसे देश में इच्छा मृत्यु की मांग बढ़ी

नई दिल्ली । सारी दुनिया में नीदरलैंड छठवें नंबर का सबसे खुशहाल देश है। इसके बाद भी यहां पर इच्छा मृत्यु मांगने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।शरीर से पूरी तरह से फिट युवाओं द्वारा भी इच्छा मृत्यु की मांग की जा रही है। जो सभी को हैरान कर रही है। पिछले 5 सालों में मानसिक रोगों के कारण इच्छा मृत्यु की मांग बढ़ गई है। यूरोप के कुछ देशों में मानसिक बीमारियों की वजह से इच्छा मृत्यु दिए जाने का कानूनी प्रावधान है।2019 में 68 लोगों ने इच्छा मृत्यु की मांग की थी। 2023 में यह संख्या बढ़कर 138 हो गई है।इच्छा मृत्यु की अनुमति गंभीर शारीरिक बीमारी और मानसिक बीमारी से पीड़ित लोगों को देने का नियमों में प्रावधान है। विशेषज्ञों का कहना है, शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हुए यदि मानसिक कारणों से इच्छा मृत्यु की मांग की जाती है। यह कोई अच्छा विकल्प नहीं है। अब इस कानून का दुरुपयोग होना भी शुरू हो गया है। विशेषज्ञों की इस मामले में अलग-अलग राय सामने आ रही है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि शारीरिक बीमारी और मानसिक बीमारी दोनों में एक ही तरह की समस्याएं हैं। ऐसे हालत में मानसिक रोगियों के लिए इच्छा मृत्यु की अनुमति जारी रखना चाहिए। नीदरलैंड जैसे खुशहाल देश में मानसिक बीमारियां क्यों बढ़ रही हैं यह भी एक बड़ी चिंता का विषय है। इसी तरह की मांग अब बेल्जियम और लक्जमबर्ग कनाडा इत्यादि में भी शुरू हो गई है। विशेषज्ञ इसका कारण खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस सरकार के बनाए 17 जिलों और 3 नए संभागों की होगी समीक्षा

-राजस्थान के सीएम भजन लाल ने पांच सदस्यीय उप-समिति का किया गठन

जयपुर।

राजस्थान में बीजेपी सरकार ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान बनाए गए 17 जिलों और तीन नए संभागों की स्थिति का आकलन करने के लिए कैबिनेट उप-समिति का गठन किया है। सीएम भजन लाल शर्मा ने पांच सदस्यीय उप-समिति का गठन किया, जिसमें डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा (संयोजक) और मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर, कन्हैयालाल मीना, सुरेश रावत और हेमंत मीना को शामिल किया गया है। अगस्त 2023 में तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने एक उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर 19 नए जिलों और तीन नए संभाग बनाने की मंजूरी दी थी। अक्टूबर में कांग्रेस सरकार ने मालपुरा, सुजानगढ़ और कुचामन सिटी को नए जिलों के रूप में बनाने की घोषणा की, जिससे राजस्थान में जिलों की कुल संख्या 53 हो गई। गहलोत ने कहा था कि ये फैसला जनता की मांग और उच्च स्तरीय पैनल की सलाह लेकर किए गए थे, और प्रशासन भविष्य में परिसीमन के मुद्दों को तदनुसार संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिसंबर 2023 में बीजेपी विधानसभा चुनाव जीतकर राजस्थान में सत्ता में आई। बीजेपी ने राजस्थान विधानसभा में 199 में से 115 सीटें जीती थी, जिसमें भजन लाल शर्मा को सीएम बनाया गया था। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस 69 सीटें ही जीत सकी थी।

बंगाल, सिक्किम, असम समेत 12 राज्यों में हो सकती है भारी बारिश

–उत्तर भारत के कई राज्यों में गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहेगा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्रीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है असम और बंगाल समेत देश के कई राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ रहा है जिससे पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम समेत 12 राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं उत्तर भारत के कई राज्यों में गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा। आईएमडी ने यूपी, बिहार और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और राजस्थान में लू चलने की चेतावनी जारी की है।

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार 13 से 17 जून के बीच यूपी के कुछ हिस्सों में लू और हीटवेव चलने की संभावना है। अगले पांच दिनों में उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली के कुछ इलाकों के साथ ही उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तर-पश्चिम राजस्थान, उत्तर-पूर्वी राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और ओडिशा में लू चलने की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों में मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेंगी और हल्की बारिश भी हो सकती है। एक जून को बारिश का सीजन शुरू होने के बाद से भारत में सामान्य से एक फीसदी कम बारिश हुई है। अगले पांच दिनों में केरल, कर्नाटक मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और तेलंगाना में गरज, बिजली कड़कने तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। 13 से 16 जून के बीच नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि बिहार, पंजाब, यूपी, हरियाणा, उत्तराखंड और ओडिशा

जैसे उत्तरी और पूर्वी राज्यों में चार-पांच दिनों तक लू चलने की संभावना है।

पश्चिमी क्षेत्रों में समय से पहले मानसून के पहुंचने के बाद उसकी गति धीमी हो गई है। मुंबई में मानसून तय समय से लगभग दो दिन पहले आ गया, लेकिन मध्य और उत्तरी राज्यों में इसके आने में देरी हो सकती है। उत्तरी राज्यों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और 46 डिग्री सेल्सियस के बीच है। जो सामान्य से करीब तीन डिग्री सेल्सियस से पांच डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

आज का भारत दुनिया के नक्शे पर अलग भारत है: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली ।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ सुदेश धनखड़ आज दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान के जैसलमेर पहुंचे। जैसलमेर एअरपोर्ट पर उनका स्वागत राजस्थान सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल एवं अन्य गणमान्य जनों द्वारा किया गया। जैसलमेर से उपराष्ट्रपति महोदय हेलीकॉप्टर द्वारा तनोट माता के मंदिर में पहुंचे जहां सीमा सुरक्षा बल के जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जगदीप धनखड़ व डॉ सुदेश धनखड़ ने तनोट माता के दर्शन कर पूजा अर्चना की और समस्त देशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

उपराष्ट्रपति जी ने कहा - ÷जैसलमेर में लोंगेवाला के समीप तनोट माता मंदिर में दर्शन का सौभाग्य मिला। मां के श्री चरणों में शीश झुका कर धन्य हुआ! यह दिव्य मंदिर विषम परिस्थितियों में देश की रक्षा में तैनात जवानों की अटूट श्रद्धा का केंद्र है। तनोट माता से प्रार्थना है कि समस्त देशवासियों को सुख, समृद्धि और खुशहाली दें, सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें!÷ इसके पश्चात् उपराष्ट्रपति अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बावलियांवाला चौकी पहुंचे और वहां तैनात बीएसएफ के जवानों से मुलाकात की। कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सैनिकों की प्रशंसा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनके साहस और त्याग के कारण ही सभी देशवासी चैन की नींद सो पाते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'आप लोगों का योगदान, आपकी तपस्या और कर्तव्यनिष्ठा अभिनंदनीय है, आप बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति में देश सेवा करते हो। क्कस्न के जवानों के हौसले बढ़ाने में माताओं-बहनों का बहुत बड़ा योगदान है जिन्होंने दिल पर पत्थर रखकर कहा कि, जाओ और अपने देश की रक्षा करो। आज का भारत दुनिया के नक्शे पर अलग भारत है। सबसे तेज़ी से बढ़ती

हुई अर्थव्यवस्थाओं में से है, पाँचवी महाशक्ति है। कुछ वर्षों में हम विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। 2047 में विकसित भारत होगा, आप इस मैराथन के सिपहसालार हैं। आपका काम बहुत चुनौतीपूर्ण है, आपकी राष्ट्र भावना, राष्ट्र के प्रति आपका प्रेम, आपकी प्रतिबद्धता वंदनीय है। मैं आपको नमन करता हूँ, देश के जवानों पर मुझे गर्व है, आप सभी का अभिनंदन करता हूँ।

खांडू ने तीसरी बार अरुणाचल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

ईटानगर ।(एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पेमा खांडू ने गुरुवार को तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने श्री खांडू को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष भी मौजूद रहे। इसके साथ ही भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद, तरुण चुग, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और अरुणाचल के सांसद तापिर गाओ और नबाम रेबिया भी उपस्थित रहे। श्री खांडू के साथ 11 अन्य विधायकों ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। चौखाम सीट से लगातार दूसरी बार निर्वाचित हुए

मीन ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बियुराम वाहगे, न्यातो दुकम, गेब्रियल डेनवांग वांगसू, वांगकी लोवांग, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पासंग दोरजी सोना, मामा नटुंग, दासंगलू पुल, बालो राजा, केंटो जिनी और ओजिंग तासिंग शामिल हैं। चीन की सीमा से लगे अंजॉ जिले के हयूलियांग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली दासंगलू पुल अकेली महिला मंत्री हैं। वह पूर्व मुख्यमंत्री कलिखो पुल की पत्नी हैं।

आतंकियों की तलाश में जारी हैं..... सेना का सर्च अभियान

जम्मू । (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में हाल के हमलों में शामिल आतंकियों का पता लगाने के लिए सेना ने विभिन्न जिलों, खासकर डोडा और रियासी में व्यापक तलाशी अभियान गुरुवार को भी जारी है। पिछले चार दिनों में आतंकवादियों ने रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार जगहों पर हमले किए, जिसमें नौ तीर्थयात्रियों और केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की मौत हुई और सात सुरक्षाकर्मी सहित कई अन्य घायल हो गए। सेना अधिकारियों के अनुसार, सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने सुबह डोडा जिले में गंडोह के कोटा टॉप, चट्टागल्ला और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान फिर से शुरू किया, जहां आतंकवादियों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मियों सहित सात सुरक्षाकर्मी घायल हुए थे। पुलिस ने दो हमलों में शामिल चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए थे और उनकी गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि रियासी और राजौरी जिले में तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि राजौरी के नौशेरा और पुंछ में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। आतंकी खतरे के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों में भी सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया है। राजौरी और जम्मू जिलों के कुछ हिस्सों में आतंकी खतरे की आशंका जताने वाली खुफिया सूचनाओं के बाद यह परामर्श जारी किया गया।

राहुल गांधी का तंज: चुनाव के बाद बदले बदले से नजर आते हैं पीएम मोदी के तेवर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

चुनाव के बाद केरल की अपनी पहली यात्रा पर कलपेट्टा पहुंचे राहुल गांधी ने एक सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा नेताओं ने कहा था कि वे संविधान को उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने कहा,लेकिन चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान के बारे में चापलूसी भरी बातें कहीं। उन्होंने लोगों से यह सबक सीखा है कि आप देश के संविधान को नहीं छू सकते हैं। आज प्रधानमंत्री चुनाव से पहले की तुलना में पूरी तरह से बदल गए हैं। कांग्रेस नेता और केरल की वायनाड लोकसभा सीट से सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा है कि अब वह वैसे नहीं रह गए हैं, जैसा कि चुनाव से पहले थे। उन्होंने कहा कि देश के लोगों ने लोकसभा चुनावों में भाजपा को यह सिखा दिया है कि वह भारत के संविधान को छू नहीं सकती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी भी अब चुनाव से पहले की तुलना में पूरी तरह से अलग नजर आ रहे हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, संविधान हमारे सभी इतिहास, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करने की गारंटी देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दस सालों में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने संविधान पर हमला किया है। उन्होंने कहा, वे एक समुदाय को दूसरे समुदाय से लड़ाने के लिए संविधान का मसौदा तैयार करना चाहते थे और एक राष्ट्र तथा एक संस्कृति को थोपने का प्रयास कर रहे थे। राहुल ने दावा किया कि भाजपा ने अयोध्या सहित उत्तर प्रदेश में अधिकांश लोकसभा सीटें इसलिए खो दीं क्योंकि पार्टी भारत के विचार पर हमला कर रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद वाराणसी निर्वाचन क्षेत्र से कम अंतर से जीते और भाजपा पूर्ण बहुमत पाने में विफल रही। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार देश को अखंड नहीं रख सकती। इंडिया समूह और कांग्रेस पार्टी भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के गलत विचारों को नष्ट करने के लिए लड़ेगी।

गाजियाबाद में तीन मंजिला मकान में लगी आग, पांच की मौत

– मकान में फोम बनाने का काम होता था, शार्ट सर्किट से आग लगने की बात आई सामने

गाजियाबाद ।(एजेंसी)

दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर थाना इलाके के एक गांव में तीन मंजिला मकान में भीषण आग लगने से दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि इस मकान में फोम बनाने का काम होता था। दमकल विभाग के मुताबिक बुधवार 8 बजे रात के बाद घटना हुई है। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन उससे पहले ही सभी आग में झुलस चुके थे। पुलिस के मुताबिक, गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर इलाके में बेहटा हाजीपुर गांव में इश्तियाक अली का तीन मंजिला मकान है। इस मकान में वह और उनका बेटा अपने परिवार के साथ रहता है। बेटा सारिक पत्नी, 7 महीने के बच्चे और बहन के साथ मकान में रहता है। उसकी दूसरी बहन अपने दो बच्चों को लेकर उसके घर आई हुई थी। घर के अंदर फोम बनाने का काम किया जाता है। बताया जा रहा है कि बुधवार रात करीब 8 बजे के आसपास शॉर्ट सर्किट होने की वजह से घर में भीषण आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग को बुझाने का प्रयास किया। आग ने तीनों मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया था। फायर ब्रिगेड की टीम ने दो मंजिला मकान में आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया लेकिन एक मंजिला मकान में दमकल विभाग को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मकान संकरी गलियों में होने की वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मकान तक नहीं पहुंच पा रही थी। देर रात तक किसी तरीके से दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया और जब मकान में दाखिल हुई तो वहां पर पांच शव बरामद हुए। मकान में मौजूद और लोगों की तलाश की जा रही है. घटना में जिनकी मौत हुई है उनके नाम सामने आए हैं। इनमें फरहीन (28), शीश (7 महीने), नजरा (30), सैफुर रहमान (35), इफरा (8) की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में लोगों ने छत के रास्ते भागने की कोशिश

की। पड़ोसियों ने भी उनको बचाने का प्रयास किया लेकिन छत पर पहुंचने के दरवाजे पर ताला लगा हुआ था, जिसके कारण सभी इस आग में फंस गए और उनकी मौत हो गई।

अब बीजेपी अध्यक्ष कौन होगा? चर्चा का बाजार गर्म

-नए अध्यक्ष के लिए यह दायित्व चुनौतीपूर्ण होगा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद अब लोगों में एक चर्चा शुरु होगी है कि बीजेपी का अगला अध्यक्ष कौन बनेगा? अभी वर्तमान जेपी नड्डा बीजेपी के अध्यक्ष हैं और उनका कार्यकाल पिछले साल ही पूरा हो गया था। इसे लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बढ़ाया दिया गया था। पीएम मोदी ने उन्हें अपने नए मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ दिलाकर साफ कर दिया कि बीजेपी को नए अध्यक्ष की तलाश शुरू कर देनी चाहिए। बीजेपी का नया अध्यक्ष वह व्यक्ति बनेगा जो कार्यकर्ता, संगठन और सरकार में बेहतर तालमेल बना सके। बीजेपी के नए अध्यक्ष के लिए यह दायित्व कितना चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

पहले राजनाथ सिंह और फिर बाद में अमित शाह के नेतृत्व में बीजेपी ने ना केवल अपने बूते बहुमत प्राप्त किया था बल्कि पीएम नरेन्द्र मोदी में यह आत्मविश्वास भरा था कि उनके हर निर्णय में पार्टी का कार्यकर्ता उनके साथ है। एक के बाद एक मिल रही विजय इसका प्रमाण थी। इस बार बीजेपी पसबसे बड़े दल के रूप में उभरी जरूर है लेकिन, वह बहुमत हासिल नहीं कर सकी। 2019 के मुकाबले उसे 63 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। बीजेपी नए अध्यक्ष के सामने सबसे पहली चुनौती तो कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने की ही होगी। इसके अलावा विभिन्न दलों को छोड़कर बीजेपी में आए नेताओं के संभावित अतिक्रमण से बचते हुए पार्टी के मूल कार्यकर्ताओं को यह विश्वास भी दिलाना होगा कि पार्टी में उनके स्थान और पूछ परख में कोई असर नहीं पड़ेगा। जब तक पार्टी के कार्यकर्ताओं में आत्मबल की वापसी नहीं होती, तब तक किसी चमत्कारिक परिणाम की आशा करना व्यर्थ ही होगा। बीजेपी के नए अध्यक्ष को यह काम तीन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले ही करना होगा क्योंकि अगले कुछ महिनों में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखण्ड में विधानसभा चुनाव होने हैं। हरियाणा और महाराष्ट्र में बीजेपी की सरकार में है, जबकि झारखंड में झामुमो की सरकार है। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र और हरियाणा के नतीजे बीजेपी के लिए चुनौतीपूर्ण है। विधानसभा चुनावों में आने वाले परिणामों का प्रभाव ना केवल बीजेपी समर्थकों और कार्यकर्ताओं अपितु केन्द्र में मोदी सरकार के मनोबल पर भी पड़ेगा। इसके साथ मुस्लिम मतदाताओं के प्रति पार्टी की नीति भी एक बड़ी चुनौती है। 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणामों ने यह सिद्ध कर दिया है कि केन्द्र सरकार की सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति को मुस्लिम मतदाताओं ने नकार दिया है। इसके अलावा केन्द्र सरकार और पीएम मोदी के पसमांदा मुसलमानों को प्राथमिकता देना भी बीजेपी के समर्थक वर्ग को पसंद नहीं आया। तो बीजेपी को अपने नए अध्यक्ष के कार्यकाल में इस पहेली को भी हल करना ही होगा।

बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसके वैचारिक मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ संबंधों को लेकर है। राजनीतिक समीक्षक का कहना हैं कि जिस तरह बीजेपी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि अब बीजेपी को संघ की जरूरत नहीं, उसका असर कार्यकर्ताओं पर पड़ा। इससे कई कार्यकर्ता जो संघ के स्वयंसेवक भी हैं वो निराश हो गए। यह परिस्थिति भी चिंतित करने वाली है। यह बात अलग है कि पीएम मोदी भी स्वयंसेवक व प्रचारक रहे हैं। नड्डा भी संघ के आनुशांगिक संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से काम करते करते यहां तक पहुंचे हैं। इसलिए बीजेपी को एक ऐसे व्यक्ति अध्यक्ष बनाना होगा जो इन चुनौतियों से निपटते के लिए अन्य राजनीतिक दलों को हाशिए पर ढ़केल सके।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में करारी हार के बाद.....बिहार चले केजरीवाल

विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सातों सीटें हराने के बाद आम आदमी पार्टी अपने दल के विस्तार की तैयारी में जुटी हुई है। पंजाब में सरकार बनाने के बाद आप की नजर बिहार पर है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ने का मन बना चुकी है। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि बिहार में हमारी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही है। आप के कार्यकर्ता चुनावी तैयारी शुरू कर दे। इससे केजरीवाल के गुड गवर्नेंस का लाभ बिहार की जनता को भी मिल सके। आप नेता सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी बिहार में चुनाव लड़ेगी यह तय है। लेकिन, कितने सीटों पर लड़ेगी? यह हम लोग बाद में तय करके बताएंगे। मोदी सरकार 3.0 के गठन पर प्रतिक्रिया देकर आप सांसद सिंह ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई सरकार एक साल में गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार एनडीए के घटक दलों की उम्मीदों को पूरा करने में विफल रहने की संभावना है। मोदी ने 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिपरिषद का नेतृत्व करते हुए रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने कहा कि मैं टीडीपी और जेडीयू से कहना चाहता हूं कि आप अपना स्पीकर बनाएं, नहीं इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि आपकी पार्टी के कितने सांसद टूटकर उनके साथ आ जाएंगे।

नवनिर्वाचित सांसद और क्रिकेटर युसूफ पठान पर सरकारी जमीन पर गैरकानूनी कब्जे का आरोप

वडोदर। पश्चिम बंगाल की बरहामपुर से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नवनिर्वाचित सांसद युसूफ पठान पर वडोदरा महानगर पालिका (वीएमसी) की जमीन पर गैरकानून रूप से कब्जा करने का आरोप लगा है। वीएमसी की सामान्य सभा ने जमीन को लेकर जो दरखास्त मंजूर की थी, उसे गुजरात सरकार ने खारिज कर दी। इसके बावजूद युसूफ पठान ने जमीन पर दीवार बनाकर उस पर कब्जा किया होना के आरोप है। दरअसल युसूफ पठान वर्ष 2012 में वडोदरा के तांदलजा क्षेत्र में अपने निवास के बगल स्थित वीएमसी के भूखंड खरीदना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने वडोदरा महानगर पालिका से 978 वर्ग मीटर जमीन खरीदने की पेशकश की थी। वीएमसी की सामान्य सभा में युसूफ पठान को 978 वर्ग मीटर भूखंड आवंटित करने की सर्व सहमति से दरखास्त भी मंजूर कर दी गई थी। लेकिन राज्य सरकार ने वीएमसी के युसूफ पठान को भूखंड देने की दरखास्त को खारिज कर दी थी। युसूफ पठान अब पश्चिम बंगाल से सांसद बन गए हैं। युसूफ पठान पर आरोप है कि उन्होंने अपने निवास के बगल स्थित भूखंड पर गैरकानूनी रूप से दीवार बनाकर कब्जा कर लिया है।

भारत में पहली बार महिला मजदूरों को तापमान बीमा का भुगतान

नई दिल्ली । गर्मी के मौसम में जिन महिलाओं को अत्यधिक गर्मी पड़ने के कारण मजदूरी पर जाना संभव नहीं होता है। उन महिलाओं को पहली बार तापमान बीमा योजना के अंतर्गत उनकी नुकसानी का भुगतान किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्था क्लाइमेट रेजिलिएन्स फॉर आल (सीआरए) ने भारत में महिलाओं के लिए काम करने वाली संस्था सेल्फ एंप्लॉयड वुमेन संगठन के साथ मिलकर बीमा योजना शुरू की है। पहली बार महिला मजदूरों को सीधे भुगतान किया गया है। जिनकी आय अत्यधिक गर्मी के कारण प्रभावित हुई है। ऐसी महिलाओं को बीमा का लाभ दिया गया है। तापमान बीमा योजना के तहत भारत में पहली बार 3 करोड रुपए का भुगतान किया गया है। इस योजना को भारत में आईसीआईसीआई लोंबार्ड के सहयोग से चलाया जा रहा है। मौसमी आपदाओं से प्रभावित होने वाले कमजोर तबकों को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। इस बीमा योजना का मकसद,जलवायु परिवर्तन ओर आपदाओं के कारण कमजोर वित्तीय तबको को आर्थिक लाभ पहुंचाना है। भारत में राजस्थान,गुजरात और महाराष्ट्र की महिलाओं को, जहां पर 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान था। वहां की महिलाओं को इसका लाभ दिया गया है। इस योजना का आगे आने वाले समय में सभी राज्यों पर विस्तार किया जाएगा।

अग्निपथ योजना की खामियों को खंगालेगा पैनल, पीएम के समक्ष रखा जाएगा पूरा रिव्यू

नई दिल्ली। (एजेंसी)

अग्निवीरों का चयन करने वाली योजना अग्निपथ का रिव्यू होने जा रहा है। अधिकारियों का एक पैनल इसके नफा नुकसान का आकलन करेगा। इसके बाद पूरी रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखी जाएगी। तभी इस योजना को लेकर निर्णय होंगे। बता दें इससे पहले लोकसभा चुनाव में अग्निपथ को मुद्दा बनाया गया और विपक्षी गठबंधन ने भरोसा दिलाया था कि उनकी सरकार आने पर इस योजना को बंद कर देंगे। कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया था कि अगर उनकी गठबंधन की सरकार आई तो वे अग्निपथ योजना को समाप्त कर देंगे। इस योजना का गुस्सा ज्यादातर लोगों में देखने को मिला और इसका नुकसान इस बार के आम चुनाव में भी देखने को मिला। लेकिन अब जहां भारतीय सेना ने अग्निपथ योजना को लेकर प्रावधानों में बदलाव की इच्छा जताई है तो वहीं केंद्र सरकार भी इस नियम में बदलाव को तैयार है। बता दें कि अग्निपथ योजना के तहत चुने गए कैंडिडेट्स को अग्निवीर कहा जाता है। अग्निपथ योजना में सुधार करने के लिए सचिवों का बनाया गया रिव्यू पैनल 16 जून तक अपने सुझावों की पूरी तरह से तैयार कर लेगा और पीएम मोदी को फाइनल प्रेजेंटेशन सौंपेगा। फाइनल प्रेजेंटेशन की तारीख 17 या 18 जून हो सकती है। फाइनल प्रेजेंटेशन के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय इसमें सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। बता दें कि अभी पीएम मोदी जी-7 समिट के लिए इटली जा रहे हैं। जी-7 समित 13 से 15 जून तक होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय सेना अग्निवीरों की भर्ती के लिए अग्निपथ योजना में बदलावों पर चर्चा कर रही है। इस चर्चा में अग्निवीरों के ट्रेनिंग पीरियड को बढ़ाना और साथ ही साथ ट्रेनिंग पूरी हो जाने के बाद मौजूदा 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही आगे मौका देने के नियमों में बदलाव करना शामिल है।सेना चाहती है कि अग्निवीरों की ट्रेनिंग के बाद भी अग्निवीरों की संख्या 60-70 प्रतिशत तक बरकरार रखी जाए। मौजूदा नियमों के मुताबिक, ट्रेनिंग पूरी होने के बाद अग्निवीरों का केवल 25 प्रतिशत हिस्सा ही रखा जाएगा। 75 प्रतिशत अग्निवीरों को करीब 12 लाख रुपये का भुगतान करके जाने दिया जाएगा। सेना का यह भी कहना है कि अग्निपथ योजना से पहले सैनिकों का ट्रेनिंग अवधि 37 से 42 सप्ताह के बीच था, लोकिन अग्निवीरों के लिए यह घटाकर 24 सप्ताह कर दिया गया। इसका प्रतिकूल असर उनके ओवरऑल ट्रेनिंग में देखने को मिल रहा है।

चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण में शामिल नहीं हुए बिहार के सीएम, राजनीति गरमाई

-आरजेडी ने कहा- जब नीतीश के मन का काम नहीं होता तो वह मौन धारण कर लेते हैं

पटना। केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता एन चंद्रबाबू आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे थे। इस समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, एलजेपीआर के प्रमुख चिराग पासवान, अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल, आरपीआई नेता रामदास आठवले जैसे एनडीए के कई दिग्गज नेता शपथ ग्रहण में शामिल होने मंच पर मौजूद थे, लेकिन खास बात यह है कि इस कार्यक्रम में बिहार के सीएम नीतीश कुमार कहीं दिखाई नहीं दिए। इस बात को लेकर बिहार की सियासत तेज हो गई चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया कि एनडीए के अंदर ठीक नहीं है। यह बात बड़ी तेजी से फैलने लगी कि नीतीश कुमार एनडीए मंत्रिपरिषद में जेडीयू की हिस्सेदारी और भागीदारी से खुश नहीं हैं। इस पर आरजेडी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि जब नीतीश कुमार के मन मुताबिक काम नहीं होता है तो वह मौन धारण कर लेते हैं। इससे वह संकेत देते हैं कि वह खुश नहीं हैं। अहमद ने कहा कि बीजेपी को तो बहुमत नहीं मिला है और एनडीए के साथ मिलकर सरकार बनाई है। इसके बाद मंत्रालयों का जिस तरह से बंटवारा हुआ है। अभी लोकसभा अध्यक्ष बनाने की भी बात होनी है। इससे आगे भी की कई चीजे होना हैं, ऐसे में एनडीए के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम से नीतीश कुमार की दूरी बनाना सियासी संकेत दे रहा है। इसके बाद चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण से नीतीश कुमार की गैर मौजूदगी पर जदयू की भी प्रतिक्रिया आई। बिहार के मंत्री और जेडीयू नेता जमा खान ने कहा कि इस बात को तूल क्यों दिया जा रहा है। नीतीश के नहीं जाने के कई कारण हो सकते हैं। उनकी तबीयत भी खराब हो सकती है। बीजेपी के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण में एनडीए के बहुत सारे घटक दल के नेता नहीं पहुंचे। ऐसे में यह कोई विषय ही नहीं है। हमारे एनडीए के नेता और देश के पीएम नरेंद्र मोदी वहां विराजमान थे।

नई सरकार नए समीकरण: एनसीपी को भाजपा कर सकती है बाय बाय

मुंबई। 2024 लोकसभा चुनावों की हार के बाद बीजेपी आत्ममंथन की मुद्रा में है। यह भी सामने आया है कि अजित पवार को महायुति में लेने के चलते बीजेपी और आरएसएस का एक बड़ा कैडर प्रचार के लिए नहीं निकला। एनसीपी वाली सीटों पर यह स्पष्ट तौर पर देखने को मिला। ऐसे में अगर बीजेपी विधानसभा चुनावों में अगर अजित पवार को साथ रखती है तो कार्यकर्ता फिर से निष्क्रिय रह सकते हैं। ऐसी स्थित में बीजेपी को नुकसान होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में छपे लेख में बीजेपी की हार के लिए अजित पवार से गठबंधन को बड़ा कारण बताया गया है। इसके बाद अब संभावना बढ़ गई है कि बीजेपी विधानसभा चुनावों से पहले अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी से नाता तोड़ ले। 2019 के चुनावों में बीजेपी विधानसभा की 152 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। तब उसने उद्धव की अगुवाई वाली शिवसेना के लिए 124 सीटें छोड़ी थी। एनडीए के बाकी सहयोगियों को 12 सीटें मिली थीं। आजीवन आरएसएस कार्यकर्ता रहे रतन शारदा ने ऑर्गेनाइज़र में अपने लेख में कहा कि अजित के साथ गठबंधन करने से बीजेपी की ब्रांड वैल्यू कम हो गई और यह बिना किसी अंतर के सिर्फ एक और पार्टी बन गई। अजित के आने से पार्टी भ्रष्टाचार के मोर्चे पर मुखर नहीं हो पाई। 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी को 23 सीटें मिली थी। इसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में बीजेपी को अपने बूते पर 105 सीटें हासिल हुई थी। बीजेपी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। अजित पवार की तरफ से जहां एक ओर 80 सीटों की मांग की गई है तो वहीं दूसरी बीजेपी का एक बड़ा गुट अजित पवार को महायुति में रखने का पक्षधर नहीं है। अजित पवार को जब महायुति (ग्रैंड अलायंस) लाया गया था, तब भी कुछ नेताओं ने इसे सही फैसला नहीं माना था।

ट्राई की तैयारी.....मोबाइल रिजार्च करने के साथ देना होगा अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली । (एजेंसी)

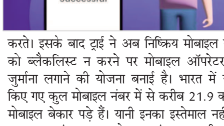

आने वाले समय में आपको अपने मोबाइल नंबर का यूज करने पर रिचार्ज के साथ पैसे देने पड़ सकते हैं। खासकर, उस नंबर के लिए जो आपके पास है, लेकिन आप उसका इस्तेमाल नहीं कर रहे या फिर न के बराबर यूज कर रहे हैं। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने प्रस्ताव दिया है। यह चार्ज एकमुश्क या फिर सालाना आधार पर लिया जा सकता है। ट्राई ने यह शुल्क मोबाइल ऑपरेटर से मोबाइल फोन या लैंडलाइन के नंबर के लिए लेने की योजना तैयार की है। अगर यह नियम लागू हुआ तब इसका भार घूम फिर कर ग्राहकों पर आएगा। ट्राई का मानना है कि मोबाइल नंबर एक सार्वजनिक संसाधन है, न की निजी। इसकारण इनका इस्तेमाल भी सार्वजनिक हित को ध्यान में रखकर करने की जरूरत है। देश में मोबाइल नंबर की काफी कमी है। नियमों के मुताबिक अगर किसी सिम कार्ड को ज्यादा समय तक रिचार्ज नहीं कराया जाता है, तब उस सिम कार्ड को ब्लैकलिस्ट करने का प्रावधान है। लेकिन, यूजर बेस खोने के डर से मोबाइल ऑपरेटर ऐसा नहीं करते। इसके बाद ट्राई ने अब निष्क्रिय मोबाइल नंबर को ब्लैकलिस्ट न करने पर मोबाइल ऑपरेटर पर जुर्माना लगाने की योजना बनाई है। भारत में जारी किए गए कुल मोबाइल नंबर में से करीब 21.9 करोड़ मोबाइल बेकार पड़े हैं। यानी इनका इस्तेमाल नहीं हो रहा। यह आंकड़ा कुल मोबाइल नंबर का करीब 19 फीसदी है। ज्यादातर मोबाइल यूजर्स स्मार्टफोन में दो सिम कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इसमें एक सक्रिय रहता है, जबकि दूसरे का इस्तेमाल बहुत कम या फिर होता ही नहीं है। ट्राई का मानना हैं कि मोबाइल नंबर के सीमित मात्रा में उपलब्ध होने से इसका इस्तेमाल भी विवेकपूर्ण तरीके से होना चाहिए। लेकिन, ऐसा हो नहीं रहा है। यह देखकर अब ट्राई मोबाइल नंबर पर शुल्क लगाने की योजना बना रही है।

भाजपा ने बना लिया है दो डिप्टी सीएम वाला फॉर्मूला, उत्तर प्रदेश से हुई थी शुरुआत

नई दिल्ली।

भाजपा ने पूर्वी राज्य ओडिशा में भी सरकार बना ली है। भाजपा के सीएम मोहन चरम माझी ने कल शपथ ली तो उनके साथ दो डिप्टी सीएम भी बनाए गए हैं। डिप्टी सीएम के तौर पर पार्वती परीदा और केवी सिंह देव ने शपथ ली है। इस तरह ओडिशा भी अब उन राज्यों में शुमार हो गया है, जहां दो उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं। दरअसल भाजपा की यह रणनीति रही है, जिसके तहत वह ज्यादातर राज्यों में दो उपमुख्यमंत्री बना रही है। यह सिलसिला पार्टी ने 2017 में उत्तर प्रदेश से शुरू किया था। भाजपा ने योगी आदित्यनाथ के साथ केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा को डिप्टी सीएम बनाया था। इसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी उसने उपमुख्यमंत्री बनाए हैं। अब ओडिशा ऐसा 5वां बड़ा राज्य हैं, जहां भाजपा ने डिप्टी सीएम दिए हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार भी इसी पैटर्न से चल रही है। भाजपा के रणनीतिकारों का मानना है कि इसके जरिए जातिगत समीकरणों को साधने में मदद मिलती है। जैसे यूपी की ही बात करें तो योगी यदि राजपूत समाज के हैं तो वहीं ब्रजेश पाठक ब्राह्मण समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। केशव प्रसाद मौर्य को ओबीसी समाज के तौर पर प्रतिनिधित्व मिला है। ऐसी ही मॉडल एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में रहा है। सभी राज्यों में डिप्टी सीएम और मुख्यमंत्री अलग-अलग समुदायों के रहे हैं। लेकिन इस मामले में गुजरात एक अपवाद है। यहां भाजपा ने डिप्टी सीएम वाला मॉडल लागू नहीं किया है। यूपी में तो जब 2022 के चुनाव के बाद डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा हटाए गए तो उनके स्थान पर भी उसी समाज से ब्रजेश पाठक को लिया गया। इस तरह सामाजिक समीकरण डिप्टी सीएम के तौर पर साधे जा रहे हैं। हालांकि महाराष्ट्र में डिप्टी सीएम बनाने की वजह जातिगत समीकरण नहीं बल्कि तीन दलों को प्रतिनिधित्व देना है। हालांकि एक दिलचस्प तथ्य यह है कि मोदी और अमित शाह के दौर में कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों को सूबे से हटाकर राष्ट्रीय राजनीति में भेज दिया गया। त्रिपुरा के बिप्लब देब, झारखंड के रघुबर दास, हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर और उत्तराखंड के त्रिवेंद्र सिंह रावत इसके उदाहरण हैं।

डोडा हमले के चार आतंकियों के स्केच जारी, सूचना देने को मिलेगा 20 लाख का इनाम

-नौशेरा में संदिग्ध आतंकियों की तलाश के लिए कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर में आतंकी लगातार हमले कर रहे हैं इन हमलों में कई लोगों की जान भी जा चुकी हैं। 9 जून को रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हमले के बाद कठुआ और डोडा में आतंकी हमलों ने सेना की चिंता बढ़ा दी। इस बीच राजौरी के नौशेरा में कुछ संदिग्ध आतंकियों के होने की सूचना पर कॉम्बिंग ऑपरेशन को तेज कर दिया गया है। डोडा में बुधवार शाम को आतंकियों ने फिर हमला किया जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। बीते तीन दिनों में इस इलाके में यह आतंकी हमले की चौथी घटना है।

डोडा के भालेसा गांव में बुधवार शाम आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग कर दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां भारी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है और आतंकियों के सफाए के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। डोडा हमले में शामिल चार आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इसके साथ ही इनकी गिरफ्तारी के लिए जरुरी जानकारी देने के लिए 20 लाख रुपए के ईनाम का ऐलान किया है। साथ ही हरेक आतंकी की जानकारी देने वाले को पांच लाख रुपये के ईनाम की घोषणा की गई है। बता दें 9 जून को जम्मू कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने तीर्थयात्रियों की बस पर हमला किया था जिसमें बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी थी जिसमें दस लोगों की मौत हो गई थी। वहीं मंगलवार को कठुआ के एक गांव में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। वहीं इस जिले के हीरानगर सेक्टर के सैदा सुखल गांव पर मंगलवार शाम आतंकवादियों ने हमला में सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हो गया था। कठुआ में आतंकियों की गोलीबारी में जम्मू कश्मीर के डीआईजी रैंक और एसएसपी रैंक के दो अधिकारियों की कार भी जद में आ गई थी। इस हमले में ये अधिकारी बाल-बाल बच गए थे। वहीं डोडा के छत्रकला में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी में सेना के पांच जवान सहित कुल छह लोग घायल हुए हैं। कश्मीर टाइगर नाम के आतंकी ग्रुप ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। इन आतंकी हमलों के बीच बुधवार को राजौरी के नौशेरा सेक्टर में दो आतंकियों को देखा गया था, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने यहां सर्च ऑपरेशन शुरू किया है साथ ही अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती भी की गई है।

योग दिवस से पहले पीएम मोदी ने किया आसन का वीडियो शेयर

ताड़ासन को बताया शरीर को सबसे ज्यादा ताकत देने वाला योग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 21 जून यानी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस। इस दिन पूरी दुनिया में योग दिवस मानाया जाता है। इस आयोजन के जरिए लोगों को अपनी दिनचर्या में योग शामिल करने और स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को योग को अपने जीवन में शामिल करने का आग्रह करते हुए आसन का एक वीडियो शेयर किया। पीएम मोदी ने अपने एक्स पर आसन करते हुए अपना एआई-जनरेटेड वीडियो शेयर करते हुए लिखा-ताड़ासन शरीर के लिए बहुत अच्छा योगा है। इससे बॉडी को ज्यादा ताकत मिलती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले, पीएम मोदी योग के अलग-अलग आसनों और उनके फायदों के बारे में बताते हुए अपने वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को भी, पीएम मोदी ने एक योग वीडियो की एक सीरीज पोस्ट की थी जिसमें पीएम मोदी ने कहा था योग दिवस नजदीक आ रहा है। मैं वीडियो शेयर कर रहा हूं, जिसमें कई तरह के आसन और उनके लाभ बताए गए हैं। मुझे उम्मीद है कि यह आप सभी को नियमित रूप से योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा कि योग शांति प्रदान करता है, यह हमें जीवन की चुनौतियों का सामना धैर्य के साथ करने में मजबूत बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि अब दुनिया 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएगी। योग ने सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार कर मानव समाज के कल्याण के लिए दुनिया भर में लाखों लोगों को एकजुट किया है। इस साल 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस बार थीम महिला सशक्तिकरण के लिए योग रखी गई है।

बिल्डिंग मालिक का लालच......बना 41 भारतीयों की मौत की वजह, कंपनी और बिल्डिंग मालिक की गिरफ्तारी के आदेश

दोहा । कुवैत के मंगफ शहर में बहुमंजिला इमारत में आग लगने से 41 भारतीयों की मौत हो गई। घायल 50 लोगों में भी अधिकांश भारतीय ही हैं। मामले की गंभीरता को देखकर भारत सरकार ने विदेश राज्यमंत्री कीर्ति व?र्द्धन सिंह को फौरान कुवैत के लिए रवाना किया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घटना पर गहरा शोक जताया है। भरपूर तेल भंडार वाले देश में तकरीबन 10 लाख भारतीय रहते हैं जो वहां की आबादी का 21 प्रतिशत है। वहीं इस भयावक घटना पर कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह ने अधिकारियों को अग्निकांड की जांच का आदेश देकर कहा कि जिन लोगों के चलते यह त्रासदी हुई है, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। कुवैत के आंतरिक मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ ने घटना के लिए भवन के मालिक को जिम्मेदार ठहराकर गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। साथ ही जिस कंपनी के श्रमिकों को एक साथ इसमें रखा गया था, उनके मालिक को भी गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। शेख फहद ने कहा है कि यह घटनाक्रम भवन के मालिक की लालच की वजह से हुआ है। कंपनी ने अपने फायदे के लिए बड़ी संख्या में एक ही भवन में बहुत ज्यादा श्रमिकों को भर दिया था। उन्होंने कहा कि इस तरह के कई भवन मंगफ इलाके में हैं, जहां सैकड़ों मजदूरों को बहुत ही खराब हालात में रहने के लिए मजबूर किया जाता है। हमारी सरकार ये तय करेगी कि भविष्य में इसतरह की घटना फिर से नहीं हो।

बच्चों को मारने के आरोप में नर्स पर फिर चलेगा केस

लंदन । ब्रिटेन में नर्स लुसी लेटबी पर बच्चों को मारने के आरोप में फिर से मुकदमा दर्ज हुआ है। दरअसल लुसी ने अस्पताल में एक नवजात बच्ची को मारने की कोशिश की थी। 34 साल की लेटबी पर फरवरी 2016 में अस्पताल में समय से पहले जन्मे नवजात को मारने की कोशिश करने का आरोप लगा था। मामले की शुरुआत कर, वकील निक जॉनसन ने आरोप लगाया कि पूर्व नर्स को एक वरिष्ठ सलाहकार ने रंगे हाथों पकड़ लिया, जब नर्स छोटे शिशु की सांस की नली को उसकी जगह से हटा रही थी। वकील ने बताया कि नर्स ने बच्चे को एक वेंटिलेटर से कनेक्ट किया था, जिससे वहां बच्चा सांस ले रहा था, और नवजात को एक अन्य मशीन से जोड़ा गया था जो उसकी हार्ट लेवल को कंट्रोल कर रहा था। वकील ने बताया कि अगर बच्चे के हार्ट लेवल या ब्लड में ऑक्सीजन लेवल एक निश्चित लेवल से नीचे आ जाए, तब अलार्म बज जाएगा, लेकिन अलार्म नहीं बजा। दरअसल कुछ समय बाद बाल रोग विशेषज्ञ रवि जयराम नर्सरी में चले गए और देखा कि लेटबी बच्चे के ऊपर खड़ी थी क्योंकि उसका ऑक्सीजन लेवल गिर गया था, वहां अलॉर्म को रोकने के लिए इस तरह से खड़ी थी। वकील ने आरोप लगाते हुए कहा, नर्स वहां खड़ी थी और अलार्म को बजने से रोक रही थी, आप इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि लुसी लेटबी इस मामले में दोषी है और उन्होंने बच्चे की ट्यूब को उसकी जगह से हटा दिया था।

पीड़ितों की सहायता के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत पहुंचे

कुवैत सिटी । कुवैत में विदेशी कामगारों के आवास वाले अपार्टमेंट में लगी भीषण आग में घायल हुए लोगों की सहायता और मारे गए लगभग 40 भारतीयों के शवों की शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कुवैत पहुंचे। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह आग हादसे में घायल हुए लोगों की सहायता के प्रयासों और दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीरों की शीघ्र वतन वापसी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने के लिए कुवैत पहुंचे हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि कुवैत के अधिकारी दक्षिणी कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में हुई आग लगने की विनाशकारी घटना में मारे गए लोगों के शवों का डीएनए परीक्षण करा रहे हैं। उनके अनुसार, घटना में मारे गए भारतीयों के पार्थिव शरीर वापस लाने के लिए भारतीय वायुसेना का एक विमान तैयार रखा गया है।

अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटना में 11 की मौत, चार घायल

काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान के फरयाब प्रांत में एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मीडिया रिपोर्टस में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह दुर्घटना तब हुई जब एक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और मैमाना शहर में एक आवासीय घर की दीवार से टकरा गया जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हो गए है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अफगानिस्तान में भीड़भाड़ वाली सड़कों पर लापरवाही से गाड़ी चलाना और जर्जर राजमार्गों पर यातायात संकेतों का ना होना यातायात दुर्घटनाओं को दावत दे रहा है।

कुवैत हादसा : बिल्डिंग में ठूंस- ठूंस के भरे थे लोग, भागने तक की नहीं मिली जगह

कतर। कुवैत की एक बिल्डिंग में बुधवार लगी भीषण आग में अब तक 50 लोग की मौत की पुष्टी हुई। खबरों के मुताबिक मरने वालों में सबसे ज्यादा 40 भारतीय मजदूर हैं। इस घटना को लेकर कुवैत सरकार ने लापरवाही बरतने के लिए बिल्डिंग मालिक और अन्य जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक आग लगने की घटना को लालच का नतीजा बताया जा रहा है। बताया जा रहा है दक्षिण कुवैत के मंगाफ में प्रवासी मजदूरों के आवास वाली एक इमारत को किराए पर लिया था। इस इमारत में मजदूर रहते थे। इस बिल्डिंग में कुल 196 लोग रह रहे थे जो बिल्डिंग की क्षमता से ज्यादा थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस बिल्डिंग में मजदूरों को जानवरों की तरह कर रखा गया था। बता दे कि बुधवार तड़के छह मंजिला इमारत की किचन में सुबह 4 बजे यह आग लगी थी जिसकी चपेट में पूरी बिल्डिंग आ गई। बताया जा रहा है कि ज्यादातर मजदूर रात को नाइट शिफ्ट करके लौटे और सो रहे थे। आग इतनी ज्यादा इसलिए फैली क्योंकि इसे बुझाने का मौका नहीं मिला और लोगों को भगाने का मौका नहीं मिला क्योंकि जगह काफी कम थी। कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी ताकि उनकी जान बच सके। इस हादसे में कई भारतीय की जान गई है। भारतीय दूतावास इस पर बराबर नजर रख रहा है और मरने वालों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है।

इंडोनेशिया में महसूस किए गए भूकंप के झटके

जकार्ता । इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत के तट पर गुरुवार सुबह शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। इंडोनेशिया के मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी के मुताबिक देर रात करीब 12-01 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.9 मापी गयी। भूकंप का केन्द्र तालुद द्वीप समूह के 41 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में समुद्र तल से 32 किलोमीटर की गहराई में था।

डब्ल्यूएचओ ने सोमालियाई लोगों के लिए नई परियोजना शुरू की

मोगादिशु। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जलवायु जनित घटनाओं से प्रभावित सोमालिया के लोगों की मदद के लिए नई परियोजना शुरू करने की घोषणा की है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यह परियोजना सोमालिया में उन लोगों को लक्षित कर रही है जो अभी भी बाढ़ और सूखे जैसी चरम जलवायु घटनाओं के प्रभावों के साथ जी रहे हैं। यह परियोजना महत्वपूर्ण देखभाल की गुणवत्ता, पहुंच और कवरेज में सुधार के लिए समुदायों और स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच रेफरल संबंधों को भी मजबूत करेगी। इसमें चिकित्सा जटिलताओं के साथ गंभीर कुपोषण वाले बच्चों के लिए स्थिरीकरण केंद्रों में रोगी उपचार शामिल है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि नई परियोजना पहले की परियोजना के पूरा होने के बाद आई है जिससे सोमालिया में सूखे और बाढ़ से प्रभावित 30 लाख से अधिक लोगों को एकीकृत स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं से लाभ हुआ है।

ब्यूनस आयर्स में आर्थिक सुधार विधेयक का विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों ने आग लगा दी।

ब्रिटेन के चुनाव में दिखेगा हिंदूओं का जलवा... पहली बार जारी हुआ हिंदू घोषणापत्र

लंदन । आगामी जुलाई माह में ब्रिटेन में होने वाले आम चुनाव पर भारत के लोगों की नजर है। वहां रहने वाला हिंदू समाज चुनाव में अपनी प्रभावी भूमिका निभाने की तैयारी में है। पहली बार चुनाव से ठीक पहले हिंदू घोषणापत्र जारी किया गया है। इसका कारण खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हिंदू मंदिरों तथा हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं का बढ़ना है। ब्रिटेन में सिख व मुस्लिम समाज का घोषणापत्र आता रहा है, लेकिन पहली बार है जब हिंदू समाज के लोग भी अपना घोषणापत्र लाए हैं। सात सूत्रीय घोषणापत्र में प्रमुख रूप से हिंदू विरोधी नफरत को धार्मिक घृणा अपराध के रूप में मान्यता देना, उसमें शामिल संगठनों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाना, हिंदू मूल्यों को स्वीकार करना और उसकी रक्षा करने के साथ हिंदू पूजा स्थलों की रक्षा करना शामिल है। मामले से जुड़े व्यक्ति के अनुसार, हमने अपना घोषणापत्र जारी कर कहा है कि जो प्रत्याशी या दल इस घोषणापत्र को स्वीकार करेगा, उसी को हिंदुओं का वोट मिलेगा। चार दिन पहले लंदन में आयोजित हार्मोनी कांफ्रेस में यह घोषणापत्र जारी किया गया है, जिसमें ब्रिटेन में सक्रिय 138 हिंदू धार्मिक व सामाजिक संगठनों के 350 से अधिक लोग शामिल हुए थे, जिसमें बाप्स श्री स्वामीनारायण मंदिर, चिन्मय मिशन, हिंदू स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू मंदिर नेटवर्क व हिंदू काउंसिल ऑफ यूके जैसी प्रमुख संस्थाओं के लोग शामिल थे। जानकारों के अनुसार, ब्रिटेन की जनसंख्या में हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोगों की संख्या करीब 1.7 प्रतिशत है।

पाकिस्तान वित्त वर्ष 2024-25 में 23 अरब अमेरिकी डॉलर उधार लेने की योजना बना रहा है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने आगामी वित्त वर्ष 2024-25 में कम से कम 23 अरब डॉलर उधार लेने की योजना बनाई है। इसमें 12 अरब डॉलर का द्विपक्षीय कर्ज भी शामिल है। मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान एक जुलाई से 30 जून के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। खबर के अनुसार, इसकी मदद से वह अपनी विकास योजनाओं और बाह्य वित्तपोषण जरूरतों को पूरा कर सकेगा। इससे नकदी की कमी से जूझ रहे देश की विदेश तथा आर्थिक नीतियां अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) जैसी वैश्विक वित्तीय संस्थानों पर निर्भर रहेंगी। समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के बजट दस्तावेजों के

अनुसार, पाकिस्तान कम से कम 23.2 अरब अमरीकी डॉलर (5900 अरब रुपये) उधार लेगा, जिसमें आईएमएफ से कोई ऋण शामिल नहीं है। इन 23 अरब अमेरिकी डॉलर में से सरकार ने 20 अरब अमेरिकी डॉलर को बजट दस्तावेजों में शामिल किया है। इसने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा तीन अरग अमेरिकी डॉलर देने को संघीय खातों का हिस्सा नहीं बनाया है। बजट दस्तावेजों के अनुसार, 2024-25 के लिए रक्षा के लिए पाकिस्तान का 2,122 अरब रुपये का बजटीय आवंटन नकदी की कमी से जूझ रहे देश के सकल घरेलू उत्पाद का सिर्फ 1.7 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष के समान ही है।

हालांकि यह निवर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 के लिए निर्धारित 1,804 अरब रुपये से अधिक है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 18,877 अरब रुपये का भारी कर वाला बजट पेश किया। वित्त मंत्री के भाषण और विभिन्न बजट दस्तावेजों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आवंटित 2,122 अरब रुपये 30 जून को समाप्त होने वाले निवर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आवंटित 1,804 अरब रुपये से 318 अरब रुपये अधिक है।

जी-7 के दौरान यूक्रेन के साथ नए सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेगा अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली रवाना हो गए हैं। सम्मेलन के दौरान वह यूक्रेन के साथ नए सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले है। इस दौरान यूक्रेन को अमेरिका के दीर्घकालिक समर्थन का वचन दिया जाएगा। हालांकि, इसके पहले व्हाइट हाउस ने कहा था कि राष्ट्रपति बाइडन शिखर सम्मेलन में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फिर से मुलाकात करने और फिर एक प्रेसवार्ता करने वाले है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने बताया कि नए समझौते से स्पष्ट हो जाएगा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में अमेरिका भविष्य में भी यूक्रेन का समर्थन जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर करके हम रूस को अपने संकल्प का संकेत भी देने वाले है। सुलिवन ने कहा, यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लगता है कि वह यूक्रेन के समर्थन में उतरे गठबंधन से अधिक समय तक टिक सकते हैं, तब वह गलत हैं। सुलिवन ने कहा, 15 देशों ने अपने सुरक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो यूक्रेन की रक्षात्मक निवारक क्षमता को मजबूत करने वाले है। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी समझौते में यूक्रेन का साथ देने के लिए अमेरिकी कांग्रेस के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता शामिल होगी, लेकिन जमीनी स्तर पर अमेरिकी सेना का उपयोग करने की प्रतिबद्धता नहीं होगी। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस सुरक्षा व्यवस्था का उद्देश्य रूस को यह संकेत देना है कि अमेरिका कीव को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि बाइडन यूरोप की यात्रा पर जा रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन ने कहा कि सुरक्षा समझौता रूस के आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा के लिए सीधे अमेरिकी सैनिकों को भेजने के लिए प्रतिबद्ध नहीं होगा।

पीएम मोदी जी7 शिखर सम्मेलन के लिए रवाना, जस्टिन ट्रूडो के साथ कोई द्विपक्षीय मुलाकात की कोई योजना नहीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को इटली के लिए रवाना हो गए जहां वह जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री पांचवीं बार भाग ले रहे हैं और सम्मेलन में सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक होंगे। हालांकि पीएम मोदी के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ शिष्टाचार साझा करने की संभावना है, लेकिन उनके साथ कोई द्विपक्षीय बैठक की योजना नहीं है। ट्रूडो के साथ पीएम मोदी के द्विपक्षीय अनुभव निराशाजनक रहे हैं क्योंकि कनाडाई प्रधानमंत्री टोरंटो से भारत की ओर बढ़ रहे खालिस्तानी आतंकवाद को संबोधित करने के इच्छुक नहीं हैं। एक बड़े पश्चिमी नेता की धारणा से पीड़ित, दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्र भारत के साथ ट्रूडो का एकमात्र एजेंडा मानवाधिकार है। भारत जस्टिन ट्रूडो की चालों से सबसे ज्यादा नाखुश है क्योंकि कनाडा ने अभी भी अपने इस आरोप को साबित करने के लिए ज़रा भी सबूत नहीं दिया है कि पिछले 18 जून को सरे, वैंकूवर में भिंडरावाले टाइगर फोर्स के आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे मोदी सरकार थी। 18 सितंबर को गैंगवार में मारे गए निज्जर की हत्या पर जस्टिन ट्रूडो ने कनाडाई संसद में भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाए थे।

देश में विरोधियों को नहीं... लेकिन पाकिस्तानी नेता को ईवीएम पर भरोसा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत के विपक्षी नेता चुनाव आयोग और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर सवाल उठाते रहते हैं। लेकिन पाकिस्तानी संसद में एक विपक्षी नेता ने ईवीएम और भारतीय चुनावी प्रणाली की तारीफ की। पाकिस्तान के विपक्ष के नेता शिबली फराज ने पाकिस्तान की चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाकर कहा कि भारत ने इतना बड़ा चुनाव बिना किसी धांधली के करा लिया। दरअसल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने सीनेटर फराज ने चुनावी प्रक्रिया और धांधली पर सवाल उठाकर कहा, मैं अपने दुश्मन देश का उदाहरण नहीं देना चाहता, अभी चुनाव हुए हैं वहां... 80 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोट किया है.. कितने हजारों मतदान केंद्र बनाए गए.. एक जगह पर एक आदमी तक के लिए मतदान केंद्र बना दिए उन लोगों ने। एक महीने से ज्यादा समय तक चुनाव हुआ, ईवीएम से चुनाव कराए गए। उन्होंने कहा, पूरे चुनाव के दौरान क्या एक भी आवाज उठी कि चुनाव में धांधली हुई है। हम भी यही चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि ये देश इसी बात में फंसकर रह जाए कि ये चुनाव जीता या वहां जीता.. न जीतने वाला मानता है न हारने वाला। फराज ने कहा दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के बावजूद, भारत ने धोखाधड़ी के आरोपों के बिना अपने यहां विशाल चुनाव सफलतापूर्वक करा लिया। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में लोकसभा चुनाव जीतने के बाद वायनाड में चुनाव आयोग पर सवाल उठाया था, उन्होंने कहा था, चुनाव आयोग ने चुनाव को पीएम की चुनावी जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया था।

ड्रैगन के झूठे वादों से परेशान हुआ नेपाल... अब खरी-खरी सुनाने को तैयार

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल सरकार चीन के झूठे वादों से परेशान है और अब इस पूरे मुद्दे को जिनपिंग सरकार से उठाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि 25 जून को दोनों देशों के बीच यह बातचीत होगी। चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइडोंग बैठक के लिए काठमांडू आएंगे। नेपाल के विदेश मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ ने कहा कि बैठक में चीन और नेपाल के बीच सभी मुद्दों पर बात होगी। माना जा रहा है कि इसमें सबसे अहम सीमा विवाद है। चीन ने नेपाल के कई इलाकों पर कब्जा कर रखा है।

नेपाल के कई बार गुहार लगाने के बाद चीन ने किसी तरह से व्यापारिक रास्ता खोला है। वहीं चीनी ठेकेदार लगातार नेपाल को गच्चा दे रहे हैं। वे नेपाल में सड़कों को बनाने और उन्हें चौड़ा करने के काम में हीलाहवाली कर रहे हैं। इससे काठमांडू रिंग रोड का काम

पूरा नहीं हो पा रहा है, जिससे नेपाल सरकार परेशान है। चीन ने वादा किया था कि वह नेपाल से सामानों का आयात करेगा और व्यापार संबंधों में बदलाव करेगा। इतना ही नहीं नेपाल के कई इलाकों में चीन घुसपैठ कर चुका है। चीनी सेना ने नेपाल एक इलाके में अपनी सैन्य चौकी तक बना ली है।

नेपाल के विरोध करने के बाद भी चीन की सरकार कोई तवज्जो नहीं दे रही है। इस बैठक के दौरान नेपाल व्यापार, पारगमन, कनेक्टिविटी, निवेश, स्वास्थ्य, टूरिज्म, गरीबी उन्मूलन, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, संस्कृति आदि पर बातचीत होगी। वहीं चीन ने नहीं बताया है कि वह किन मुद्दों पर फोकस करेगा। प्रचंड की चीन यात्रा के दौरा सीमा के संयुक?त निरीक्षण पर सहमति बनी थी। इसके बाद नेपाली पक्ष ने इसकी पूरी तरह से तैयारी कर चीन से गुहार लगा रहा है, लेकिन चीन सीमा के संयुक्त निगरानी से भाग रहा है।

नेपाल और चीन के बीच सीमा 1439 किमी लंबी है। दोनों देशों के बीच सीमा प्रोटोकॉल पर 20 जनवरी, 1963 को समझौता हुआ था। साल 2011 से ही यह बंद है और अभी तक इस पर कोई प्रगति नहीं हुई है। पिछले साल प्रचंड की चीन यात्रा के दौरान सीमा प्रबंधन सिस्टम को लेकर जल्द से जल्द समझौता करने पर सहमति बनी थी। यही नहीं नेपाल में चीन के फंड किए गए कई प्रॉजेक्ट लटके हुए हैं और बीजिंग उसे आगे नहीं बढ़ा रहा है।

रूस का एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम हो रहा फेल.....चिंतित भारत

- अमेरिकी एटीएसीएमएस रॉकेट के सामने टिक नहीं पा रहा

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन युद्ध में अब रूसी हथियारों की युद्धक क्षमता की पोल खुल रही है। यूक्रेनी सेना ने क्रीमिया की सुरक्षा में तैनात किए गए रूसी एस-400 एयर डिफेंस को आसानी से तबाह करना शुरु किया है। यूक्रेनी सेना अमेरिका की ओर से दिए गए एटीएसीएमएस रॉकेट का इस्तेमाल कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी सेना ने मई महीने में 10 आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस?टम रॉकेट से क्रीमिया के सेवास्तोपोल के बाहर बेलबेक में स्थित रूसी ठिकाने पर भीषण हमला बोला था। इसमें एस-400 सिस्टम के दो लांचर और एक रेडॉर तबाह हो गए। यह वहीं एस-400 सिस्टम है जिसे रूस दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बताता रहा है और भारत ने भी 5 की संख्या में एस-400 खरीद रहा है। इसमें केवल 3 ही भारत को मिले हैं।

दो टन वजनी इस अमेरिकी रॉकेट सिस्टम में ग्रेनेड के आकार के हजारों बॉम्बलेट थे जिन्होंने एस-400 सिस्टम को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचाया। इस हमले के तुरंत बाद रूसी सेना ने नष्ट हुए एस 400 की जगह पर दूसरा सिस्टम तैनात किया। रूस का दावा था कि एस 400 अजेय है, एस-400 को नष्ट नहीं किया जा सकता है लेकिन अब अमेरिकी मिसाइलों के आगे यह एयर डिफेंस सिस्टम फेल साबित हो रहा है। यूक्रेनी सेना ने बताया कि एस 300 और एस 400 एक-एक रेडॉर को भी नष्ट किया है। यूक्रेन की सेना ने तीन तरफ से रूसी ठिकाने पर हमला किया। बेलबेक एक तरह से रूस के लिए जाल बन गया है, जहां उसके सबसे अच्छे एयर डिफेंस सिस्टम फेल साबित हो रहे हैं। जिस तेजी से रूस बेलबेक में अपने एयर डिफेंस सिस्टम को तैनात कर रहा है, उसी तेजी से यूक्रेनी सेना उन्हें तबाह कर रही है। रूस अब तक 2 एस 400 कमांड पोस्ट, 4 रेडॉर और 16 लॉचर यूक्रेनी हमले में गंवा चुका है। एस 400 को एंटी मिसाइल क्षमता के लिए जाना जाता है लेकिन अमेरिकी रॉकेट के सामने फेल साबित हो रहा है। रूस के पास अभी 50 एस 400 सिस्टम है। एस 400 का नष्ट होना भारत के लिए भी बुरी खबर है। भारत ने अरबों डॉलर खर्च करके 5 रूसी सिस्टम खरीदे हैं, ताकि चीन और पाकिस्तान का जवाब दिया जा सके लेकिन अब इस रूसी एयर डिफेंस सिस्टम की क्षमता पर ही सवालिया निशान लग गया है।

संपादकीय

खुशी और शांति पाने का साधन - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

खुशी और शांति पाने के लिए इंसान तरह-तरह के प्रयास करता है। ज्यादातर सभी लोग सोचते हैं कि धन-दौलत जमा करके, जायदादें इकट्ठी करके, नई-नई खोजें या अविष्कार करके, सत्ता पाकर या फिर नाम प्रसिद्धी प्राप्त करके वह इस दुनिया की हरेक खुशी पा लेंगे। लेकिन अगर हम उन लोगों की ओर देखें जिनके पास ये सब चीज़ें हैं तो हम पाएंगे कि वे लोग फिर भी दु:खी हैं। उन्हें भी यह लगता था कि उन चीज़ों से उन्हें खुशी मिलेगी किंतु इस दुनिया की कोई भी चीज़ हमें सदा-सदा की खुशी नहीं दे सकती क्योंकि यहाँ की हर चीज़ अस्थायी है।

सभी संत-महापुरुष हमें समझाते हैं कि इस संसार की हर चीज़ जड़ता की बनी है और वह एक न एक दिन नष्ट हो जाती है किंतु हमारी आत्मा जोकि परमात्मा का अंष है वह जड़ नहीं, चेतन है और सदा-सदा रहने वाली है। हमारी आत्मा को सच्ची खुशी तभी मिलती है जब वह पिता-परमेश्वर से जुड़ती है। तब वह परमानंद, खुशी, प्रेम और दिव्य ज्योति से भरपूर रहती है। ध्यान-अभ्यास एक ऐसी विधि है जिसके ज़रिये हमारी आत्मा यह दिव्य अनुभव करती है। तब ही हम अपनी आत्मा को जान पाते हैं और प्रभु-प्रेम का अमृत पी सकते हैं। जो लोग ध्यान-अभ्यास करते हैं वह अपने आपको हर समय शांति और आनंद से भरा हुआ पाते हैं। यह अस्थायी शांति नहीं बल्कि ऐसी शांति है जोकि सदा-सदा हमारे साथ रहती है। हमें सिर्फ अपना ध्यान बाहर की दुनिया से हटाकर अंतर में टिकाना है ताकि हम इसका अनुभव कर सकें।

इस समय हमारा ध्यान बाहर की दुनिया में फैला हुआ है। हम अपनी पाँच इन्द्रियों के द्वारा बाहरी संसार और अपने भौतिक शरीर को जान पाते हैं। लेकिन अगर हम अपने ध्यान को 'शिवनेत्र' पर एकाग्र कर लें तो हम अपनी आत्मा के खज़ानों का अनुभव कर पाएंगे। अंतर में ध्यान टिकाने की इस प्रक्रिया को कई नामों से पुकारा गया है जैसे ध्यान-अभ्यास, अंतर्मुख होना या प्रार्थना करना। जिसके ज़रिये ही हमें आंतरिक शांति प्राप्त हो सकती है।

जो लोग आंतरिक शांति का अनुभव कर लेते हैं, वो बाहरी संसार में भी शांति स्थापित करने में मददगार होते हैं। वो कैसे? क्योंकि वो अपने अंतर में शांति प्राप्त कर बाहरी दुनिया की परेशानियों में बहुत ही शांत तरीके से व्यवहार करके उनका समाधान करते हैं और धीरे-धीरे उस शांति को वे अपने चारों ओर के लोगों में भी फैलाते हैं।

तो आईये! हम दूसरों को बदलने की बजाय स्वयं को बदलें। अगर हर इंसान व्यक्तिगत स्तर पर ऐसा करे तो वह समय दूर नहीं जब बहुत से लोग शांत हो जाएंगे। यही सच्ची खुशी और शांति पाने का साधन है। यह अस्थायी शांति नहीं बल्कि ऐसी शांति है, जो सदा-सदा हमारे साथ रहती है।

आइए, 2047 तक भारत को ज्ञान का शक्ति केंद्र बनाएं

ले. जन. एसएस मेहता (अ.प्रा.)

आत्मनिर्भरता के लिए शंखनाद से अभिप्राय है भारत को ज्ञान की धुरी बनाना, औपनिवेशिक मानसिकता से छुटकारा और 'सस्ते श्रमिकों वाली' अर्थव्यवस्था से 'ज्ञान की कमाई वाली' आर्थिकी में तबदील करना। हमारी मंजिल 'ज्ञान का शक्ति केंद्र' बनना है। इसके लिए, हमारे पास सामर्थ्य है, आकार है और जनांकिकीय लाभांश है और अब वृद्धिमान आर्थिक कूवत भी है। सकल घरेलू उत्पाद में 8 प्रतिशत सतत वृद्धि बने रहने की आस और 6-जी के लिए नव-लहर प्रोत्साहन, चिप डिज़ाइन और चिप उत्पादन, नव-ईंधन (हाइड्रोजन एवं बायोफ्यूल), पवन एवं सौर ऊर्जा, अनेकानेक यूनिकॉर्न कंपनियां और स्टार्टअप्स का माहौल- ये सब, पर्यावरण मित्र और घरेलू उत्पादों की लहर बनाने की संभावना रखते हैं। 6-जी और चिप उत्पादन रणनीतिक महत्व रखते हैं जिससे डिजिटल क्रांति का मार्ग प्रशस्त होगा। यह वक्त दूसरों की तकनीक का अनुसरण करते रहने से परे हटने का भी है। वक्त आ गया है कि हम अपनी क्षमताएं बढ़ाएं और नेतृत्व करें। हमें तकनीकी प्रदाता बनना ही होगा। कॉर्पोरेट्स, सार्वजनिक एवं निजी, दोनों को 'मिशन-मॉड' मानसिकता रखकर निवेश करने की जरूरत है। इससे सबसे अधिक फायदा होगा सुरक्षा का, चाहे राष्ट्रीय हो या नागरिक, और यह दोनों मिलकर बृहद राष्ट्रीय शक्ति में इजाफा करते हैं। किंतु पहले, जमीनी हकीकत की जांच करनी होगी। हमारी रूपांतरण यात्रा में कुछ क्षेत्र नाजुक दशा में हैं। यूएनडीपी की वैश्विक ज्ञान सूचकांक रिपोर्ट (2023) के अनुसार, 133 देशों की सूची में कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में, हमारा स्थान यूनिवर्सिटी-पूर्व शिक्षा में 96वां (अमेरिका का नौवां), तकनीकी-व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण में 119वां (अमेरिका दूसरे स्थान पर), उच्च शिक्षा में 106वां (अमेरिका चौथे नंबर पर), अनुसंधान एवं विकास और इनोवेशन में 54वां (अमेरिका पांचवें पायदान पर), आईसीटी यानी सूचना एवं संचार तकनीक में 83वां (अमेरिका दूसरे स्थान पर) है। दरअसल, समाधान हैं इनोवेशन और विकास। नवोन्मेष एक विचार को दूसरे पर रखकर विकसित करते जाने की प्रक्रिया है जिसका परिणाम है नूतन उत्पाद, प्रसंस्करण या सेवा, जिसका आगे व्यापारीकरण होने के बाद यह व्यावहारिक उपयोग में आती है। विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में विकास 'एक समय में एक कदम' के हिसाब से आगे बढ़ता है, और भावी पीढ़ियों में नवाचार करने की भावना भरने की हसरत रखता है। इसके लिए रट्टा आधारित शिक्षा तजकर 'जिज्ञासा एवं नवाचार' वाला मॉडल अपनाने की जरूरत है, जो रट्टा लगाकर उत्तर देने वाली प्रचलित प्रणाली को चुनौती देती है। हां, यह सही है कि 50 जमा 40 नब्बे होते हैं, लेकिन यदि कोई बच्चा कहे कि योग सौ से नीचे है तो उसने आपको एक स्वीकार्य उत्तर दे डाला है। रट्टा पद्धति से शिक्षा नवाचार की विरोधी है। बगीचों के शहर नाम से प्रसिद्ध बेंगलुरू हमारे देश की सिलिकॉन वैली है, बल्कि सिलिकॉन कालोनी कहना ज्यादा उचित होगा। यहां के आईटी उद्योग में, हम दूसरों के लिए बतौर श्रमिक काम कर रहे हैं , दूसरे तैयार माल पर ठप्पा लगाकर लाभ कमाते हैं और हम ऐसे तैयार उत्पाद के लिए दाम चुकाने वाले खरीदार हैं। शुरुआत करने के लिए यह ठीक था, यह दुनिया को हमारे कौशल का प्रदर्शन के लिए भी सही था। वर्ष 2000 आते-आते इसने तेजी पकड़ी लेकिन अब उस युग का फायदा कब का पुराना पड़ चुका। बेंगलुरू बदल तो रहा है किंतु रफ्तार हमेशा की भांति धीमी है। 2047 की राह में बेंगलुरू को अन्य दर्जनभर ज्ञान-केंद्रों (हैदराबाद, चेन्नई, पुणे और कई अन्य शहर) में एक बने रहने के लिए अपनी चाल में तेजी लानी होगी। बेंगलुरू को अपना स्तर उच्चतर करने के लिए 'चिप नेट इंटिग्रेशन कैपिटल' में तबदील होने की जरूरत है जिससे कि आगामी लहर के सिलिकॉन हब के तौर पर मार्ग प्रशस्त कर सके। कमियों के बावजूद हमें अगली पीढ़ी की प्रतिभा को भुनाने के लिए एक बृहद एवं पुरस्कृत करने वाली नवोन्मेष व्यवस्था का निर्माण करने की आवश्यकता है। हमारे पास प्रत्येक स्तर पर प्रतिभा बहुतायत में है, हमें बस इसका उपयोग करने की राह ढूंढ़ने की जरूरत है। अगली पीढ़ी (जेन-नेक्सट) भी अपनी उपयोगिता सिद्ध करवाने के लिए अवसरों का इंतजार कर रही है। जैसे ही उन्हें यह हासिल होंगे तो न केवल भारत बल्कि समूची मानवता का भला हो जाएगा। जेन-नेक्सट, यह चाहे जहां हो, इसने भारत के बाहर या बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करते हुए, अथक रूप से एवं बारम्बार सिद्ध कर दिखाया है कि इसका योगदान विश्वस्तरीय है। इस पर लगाम कसने की बजाय खुली छोड़ दें और इन्हें सशक्त बनाएं। रट्टे वाली पढ़ाई से छुटकारा पाएं। यह सिखाना कि विचार क्या होने चाहिए से अधिक महत्वपूर्ण है विचार कैसे पैदा किए जाएं। भारत को ज्ञान का शक्ति-केंद्र बनाने के मिशन में पांच पहलकदमियां आवश्यक हैं। प्रथम, शिक्षा की गुणवत्ता ऊंची उठाना। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक शुरुआत है किंतु इसका क्रियान्वयन धीमा है और इसमें सीखने और तालमेल बिठाने वाला तंत्र नदारद है। 'एक साइज सबके लिए वाली' नीति काम नहीं आने वाली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति बतौर एक सहायक ढांचे तक ही ठीक है। इससे छात्र और श्रमिकों को पूरे भारत में कहीं भी जाकर क्रमश- पढ़ने या काम करने में सहायता मिलेगी। इससे आगे, राज्य सरकारों को उनकी जरूरतों के माफिक बैठती नई योजना बनाने और अमल में लाने की जरूरत है। द्वितीय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर नौकरशाही का नियंत्रण ढीला करना जरूरी है ताकि मौजूदा यथास्थिति में बदलाव लाकर नई खोजों के लिए माहौल बनाने हेतु फंड आसानी से मिल पाए, वह जो रचनात्मकता प्रोत्साहित करता हो और नवाचार को पुरस्कृत। तृतीय, बौद्धिक सम्पदा अधिकार में सेंध लगाने या चोरी पर लगाम लगाने के लिए कानून प्रवर्तन में सुधार लाया जाए। चतुर्थ, ग्रांट प्राप्तकर्ता की जवाबदेही तय करने वाली धारा जोड़ी जाए, ग्रांट-सब्सिडी पाने का आवेदन करते वक्त, इससे रोजगार अवसरों में बढ़ोतरी एवं नागरिक भलाई की संभावना को प्रपोजल का हिस्सा बनाया जाए। पंचम, कॉर्पोरेट्स में निवेश आदि को लेकर जिंदादिली की भावना पैदा करने वाले नियम बनाए जाएं। लंबे अर्से से, सच में भारत निर्मित एवं वैश्विक स्तर पर बेचने लायक उत्पाद हम नहीं बना पा रहे। यह उत्पाद कोई वस्तु अथवा सेवा हो सकती है। 6जी मिशन इस दिशा में एक बहुत अच्छी शुरुआत है। मज़ेदार बात है कि इस बाबत विश्व बैंक ने चार स्तंभों वाला तंत्र बनाने की सलाह दी है, वह जो मानव-पूंजी आधारित अर्थव्यवस्था की तार्किकता का विश्लेषण करता हो। एक मजबूत ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की स्थापना के लिए शिक्षित एवं कौशलयुक्त श्रमबल होना जरूरी है। आईसीटी संसाधनों तक आसान पहुंच मुहैया करवाने वाला सघन एवं आधुनिक सूचना तंत्र हो ताकि पैसे का लेन-देन करते वक्त उच्च सेवा शुल्क से बचा जा सके। प्रभावशाली नवोन्मेष नूतन तकनीक का उच्चतर स्तर बनाने में मददगार होगा, इसे जारी रखा जाए और घरेलू अर्थव्यवस्था में इस्तेमाल किया जाए। एक ऐसी संस्थागत प्रशासनिक व्यवस्था हो, जो नव उद्यमों को छूट देने और प्रोत्साहित करने वाली हो। अब जबकि बुनियादी ब्लॉक्स एक बार अपनी सही जगह जमा दिये जाएं, हमें महीन जांच करते हुए पांच परतों वाली राह जोड़ने की जरूरत होगी। प्रथम, राष्ट्रीय शिक्षा तंत्र के सहायक ढांचे के अंदर, राजकीय समाधान विकसित करें और इन पर अमल करें। द्वितीय, उच्चतर शिक्षा में गहराई लाना- जैसे कि क्वांटम कम्प्यूटिंग, फोटोनिक्स, चिप डिजाइन और इस जैसी अन्य विधाएं। तृतीय, मूल्य श्रृंखला के तमाम स्तरों पर चिप उत्पादकता और अन्य ज्ञान सृजन का कौशल उच्चतर करना। चतुर्थ, हमारे 6-जी नवोन्मेष मिशन हेतु प्रयास निरंतर जारी रहें। अनुसंधान एवं विकास किसी देश को वैश्विक मंच पर उच्च स्थान पर रखते हैं, मानक और खासियतें तय करते है। पंचम, फैक्टरियों के उत्पादन में तेजी लाने के लिए 'इंडस्ट्री 4.0' श्रेणी की स्वचालित प्रणाली और 3-डी प्रिंटिंग अपनाई जाए। टीएन नाइनन ने द ट्रिब्यून में छपे अपने हालिया लेख में माओ ज़िदोंग के शब्दों को उद्धत करते हुए लिखा 'पूर्वी हवा पश्चिमी वायु को पछाड़ रही है- और वैश्विक शक्ति संतुलन में- पूर्वी हवा का वेग पहले की अपेक्षा तगड़ा है', यहां वे एकदम सही हैं। चूंकि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूर्व में है, हमें पूर्वी हवा को मजबूत करने में अधिक योगदान डालने की जरूरत है। भारतीय विचारों का वैश्वीकरण- आक्रामकता रहित, नरमी रखना, धमकाने से परहेज, बांटना और दूसरों का ख्याल रखना- यह हवा पूर्व और पश्चिम, दोनों दिशाओं में बहती है- जिसमें ज्ञान एक वैध एवं सर्वमान्य मुद्रा की तरह चलता है। एक पुनर्जागरण, न कि क्रांति, एक लहर जो हर किश्ती को ऊपर उठाए, अंदरूनी और बाहरी, दोनों रूपों में। शून्य का सिद्धांत देने के भारतीय योगदान के साथ, हमारी हवा पूर्व और पश्चिम में एक समान चली। कल्पना करें इसके बिना हम क्या होते। अब यही समय है अगली लहर पैदा करने का - ज्ञान की। चीन के देंग शिआयोपिंग ने 1987 में कहा था ' यदि मध्य-पूर्व के पास तेल है, तो चीन के पास दुर्लभ प्राकृतिक खनिज'। जब 2047 आए तो हमारी भावी पीढ़ी पूरे विश्वास से कह सके 'ज्और भारत के पास ज्ञान'। चहुं दिशाओं में बहने वाली पूर्व की हवा में हमारा योगदान यह हो कि अपने और पीछे छूटने वालों के बीच बने पाट को भरकर खुशियां साझी करें।

लेखक पश्चिमी सैन्य कमान के पूर्व कमांडर व पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक सदस्य हैं।

आज का राशीफल

मेष — **अर्थिक** पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी लेंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सचेत रहें। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क — व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। भारी व्यय की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

सिंह — आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। आर्थिक उन्नति के योग हैं। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला — व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। नए अनुबंध मिलेंगे। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

धनु — व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मकर — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मीन — राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की बढ़ती ताकत

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों भारत के स्पेसटेक स्टार्टअप 'अग्निकुल कॉसमॉस' ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए पहली बार अपने 'अग्निबाण' रॉकेट को लॉन्च किया है। ये भारत का इकलौता ऐसा रॉकेट इंजन है, जो गैस और लिक्विड दोनों ही तरह के ईंधन का इस्तेमाल करता है। अग्निकुल ने जिस रॉकेट को लॉन्च किया है, उस मिशन को 'अग्निबाण सबऑर्बिटल टेक डेमोंस्ट्रेटर सॉर्टेड-01' के तौर पर जाना जाता है। अग्निकुल कॉसमॉस भारत का एक स्टार्टअप है, जो रॉकेट्स बना रहा है। इसने श्रीहरिकोटा में अपना प्राइवेट लॉन्च पैड भी बनाया है, जहां से रॉकेट लॉन्च किया गया है। अग्निबाण एक सिंगल-स्टेज वाला रॉकेट है, जो सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पर काम करता है। इसे भारत में तैयार किया गया है और इसकी असेंबलिंग आईआईटी मद्रास में अग्निकुल की फैसिलिटी में हुई है। अग्निबाण रॉकेट की सफल लॉन्चिंग के लिए 'इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो)' ने अग्निकुल कॉसमॉस को बधाई देते हुए कहा कि एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से सेमी-क्रायोजेनिक लिक्विड इंजन की पहली कंट्रोल फ्लाइट के रूप में बड़ी कामयाबी हासिल की गई है। अग्निबाण रॉकेट का आसमान तक पहुंचना भारत के लिए बेहद ही खास है। जहां अभी तक इसरो के कंधे पर रॉकेट लॉन्चिंग की जिम्मेदारी होती थी। मगर अब प्राइवेट प्लेयर भी इस दिशा में कदम बढ़ाने लगे हैं। अग्निकुल कॉसमॉस एक ऐसी ही कंपनी है। रॉकेट लॉन्चिंग इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके लिए अग्निकुल ने अपने डाटा एक्यूजिशन सिस्टम और फ्लाइट कंप्यूटर्स का इस्तेमाल किया, जिन्हें 100 फीसदी खुद कंपनी ने ही तैयार किया है।सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि ये टेस्ट व्हीकल के प्रपल्शन सिस्टम को कंट्रोल करने के लिए सॉर्टेड व्हीकल के पूरे एवियोनिक्स चेन की काबिलियत भी दिखाता है। अग्निबाण रॉकेट ऑर्बिट में 100 किलोग्राम का पेलोड 700 किमी की ऊंचाई तक ले जा सकता है। अग्निबाण रॉकेट की लॉन्चिंग सिंगल पीस 3डी प्रिंटेड रॉकेट इंजन के साथ दुनिया की पहली उड़ान है। ये भारत की स्पेस सेक्टर में बढ़ रही ताकत को भी दिखा रहा है। अग्निकुल देश की दूसरी निजी रॉकेट भेजने वाली कंपनी है। इसके पहले स्काई रूट एयरोस्पेस ने अपना रॉकेट भेजा था। अग्निबाण एक अनुकूलन प्रक्षेपण यान है जिसे एक चरण में लॉन्च किया जा सकता है। रॉकेट करीब 18 मीटर लंबा है और इसका द्रव्यमान 14,000 किलोग्राम है। 'अग्निबाण' पांच अलग-अलग कॉन्फिगरेशन में 100 से 300 किलोग्राम तक के पेलोड को 700 किमी की ऊंचाई तक ले जाने में सक्षम है। यह निम्न और उच्च झुकाव वाली दोनों कक्षाओं तक पहुंच सकता है। अग्निबाण सब ऑर्बिटल टेक्नोलॉजिकल डेमोंस्ट्रेटर 'अग्निकुल' के पेंटेटेड अग्निलेड इंजन द्वारा संचालित एक एकल चरण लॉन्च वाहन है। अग्निबाण रॉकेट को 10 से अधिक विभिन्न लॉन्च पोर्ट से लॉन्च करने के लिए डिजाइन किया गया है। कई लॉन्च पोर्ट के साथ इसकी अनुकूलता सुनिश्चित करने के लिए, अग्निकुल ने 'धनुष' नामक एक लॉन्च पैड स्टेशन बनाया है, जो रॉकेट की सभी कॉन्फिगरेशन में इसकी गतिशीलता को सपोर्ट करेगा। अग्निबाण रॉकेट सिंगल स्टेज रॉकेट है। जिसके इंजन का नाम अग्निलेट इंजन है और यह इंजन पूरी तरह से थ्रीडी प्रिंटेड है। यह 6 किलोन्यूटन की जबरदस्त ताकत पैदा करने वाला सेमी-क्रायोजेनिक इंजन है। अग्निबाण रॉकेट को पारंपरिक गाइड रेल से लॉन्च नहीं किया जाएगा। यह वर्टिकल लिफ्ट ऑफ करेगा। पहले से तय मार्ग पर जाएगा। रास्ते में ही तय मैन्यूवर करेगा। अग्निकुल के सह-संस्थापक और सीईओ श्रीनाथ रविचंद्रन ने बताया कि यह एक सबऑर्बिटल मिशन है। अगर यह सफल होता है, तो हम यह पता कर पाएंगे कि हमारा ऑटोपॉयलट, नेविगेशन और गाइडेंस सिस्टम सही से काम कर रहे हैं या नहीं। देश के जाने-माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने अग्निकुल कॉसमॉस पर पैसा लगाया है। अग्निकुल एक स्पेस स्टार्टअप है। आनंद महिंद्रा ने करीब 80.43 करोड़ रुपये की फंडिंग की है। इस प्रोजेक्ट में आनंद महिंद्रा के अलावा पाई वेंचर्स, स्पेशल इन्वेस्ट और अर्थ वेंचर्स ने भी निवेश किया है। अग्निकुल कॉसमॉस की शुरुआत साल 2017 में हुई थी। इसे चेन्नई में स्थापित किया गया। इसे श्रीनाथ रविचंद्रन, मोइन एसपीएम और आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर एसआर चक्रवर्ती ने मिलकर शुरू किया था। अग्निबाण 100 किलोग्राम तक के सैटेलाइट्स को धरती की निचली कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है। आज हमारे पास अंतरिक्ष अवशेष प्रबंधन, नैनो उपग्रह, प्रक्षेपण यान, ग्राउंड सिस्टम, अनुसंधान जैसे नवीनतम क्षेत्रों में काम करने वाले 102 स्टार्टअप मौजूद हैं। पिछले साल से अब तक भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग और भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 के सफल प्रक्षेपण के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ। भारत का लक्ष्य अब 2035 तक 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करने और 2040 तक पहले भारतीय को चंद्रमा पर भेजने का है। निस्संदेह, अंतरिक्ष के क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ने से देश को बड़ा फायदा होगा। असल में, इसरो के मुताबिक वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का मूल्य करीब तीन सौ साठ अरब डालर है, लेकिन भारत की इसमें सिर्फ दो प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इसरो का अनुमान है कि देश 2030 तक इस हिस्सेदारी को बढ़ा कर नौ प्रतिशत तक ले जा सकता है।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

विचार मंथन

भारत की शुद्ध घरेलू बचत 47 साल के निचले स्तर पर

(लेखक- सनत जैन)

भारत में कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, स्थानीय संस्थाएं और भारतीय परिवारों मे कर्ज का बोझ पिछले 10 सालों से बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पहले फ्लैट और मकान के लिए लोग कर्ज लेते थे। अब हर काम के लिए कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। सरकारों ने भी विकास योजनाओं के नाम पर भारी कर्ज लिया है। लोक लुभावन योजनाओं में कर्ज की राशि को खर्च किया है। जिन योजनाओं के लिए कर्ज लिया गया। वह समय पर पूरी नहीं हुई। विकास योजना जिसके लिए कर्ज लिया जाता है। उसकी आय, ब्याज और किस्त की तुलना में काफी कम वसूली होती है। जिसके कारण पिछले 10 वर्षों में सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा लगातार आम जनता पर टैक्स बढ़ाया जा रहा है। टैक्स बढ़ने से महंगाई भी बढ़ रही है। भारतीय परिवारों की क्रय शक्ति कर्ज के कारण पिछले वर्षों में तेजी के साथ बढी थी। लेकिन अब मध्य एवं निम्न वर्ग कर्ज की किस्त नहीं चुका पा रहे हैं। कर्जदार के डिफाल्टर होने से वित्तीय संस्थानों आर्थिक की स्थिति गड़बड़ा रही है। बाजार में उपभोक्ताओं की वस्तुओं की मांग भी कम होने लगी है। पिछले एक दशक में भारतीय परिवारों में सोना, चांदी और जेवरात में निवेश करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। अनावश्यक खर्च उपभोक्तावादी संस्कृति के कारण बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। खर्च चलाने के लिए बैंक और एनएफसी कंपनियों से लोग पर्सनल लोन ले रहे हैं। जिसके कारण लोगों की बचत साल दर साल कम होती जा रही है। बचत बढ़ने के स्थान पर भारतीय नागरिकों पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में प्रॉपर्टी में निवेश बढ़ा है। इसमें कर्ज ज्यादा है, बचत का हिस्सा बहुत कम है। जिसके कारण लोगों पर ब्याज और किस्त का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। भारत सरकार ने बचत को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय बचत संगठन, डाकघर, राष्ट्रीयकृत बैंक, बचत प्रमाण पत्र, भविष्य निधि के माध्यम से बचत में निवेश बढ़ाने के जो प्रयास पिछले कई दशकों में किए गए थे। उसमें 47 वर्ष के बाद सबसे कम बचत देखने को मिल रही है। 1991 में आर्थिक सुधार कार्यक्रम भारत में लागू किए गए। उसके बाद से कर्ज लेने की प्रवृत्ति भी तेजी के साथ बढी है। दुनिया के देशों में पहले भारत को बचत करने वाले देश के रूप में पहचान थी। लेकिन अब बचत के मामले में भारत लगातार पिछड रहा हैं। अफ्रीका जैसे छोटे देश भी बचत के मामले में भारत से बेहतर स्थिति में है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में जो आंकड़े जारी किए हैं। उसके अनुसार भारत में शुद्ध घरेलू बचत पिछले 47 सालों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह सबसे ज्यादा चिंता की बात है। वर्ष 2023 में बचत घटकर सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में मात्र 5.3 फ़ीस दी रह गई है। जो 2022 में 7.3 फीसदी थी। कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवत्ती भारत में सभी वर्गों के बीच में बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा आर्थिक दबाव में है। महंगाई, बे रोजगारी और कर्ज के बोझ से देश में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। सरकार को बचत योजनाओं में बचत बढ़ाने के लिये प्रोत्साहन देने के लिए आम लोगों को राहत देने पर विचार करना होगा। वहीं कर्ज लेकर घी पीने की जो प्रवृत्ति भारतीय समुदाय में बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। उसको नियंत्रित करने की जरूरत है। समय रहते यदि आय और व्यव के असंतुलन पर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में भारतीयों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया की जो प्रवृत्ति पिछले वर्षों में सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। उसको बदलना अब जरूरी हो गया है। भारत में 90 के पहले कर्ज लेने को सामाजिक बुराई माना जाता था। कर्जदार को सामाजिके प्रतिष्ठा नहीं मिलती थी। 1993 के बाद जितना ज्यादा कर्ज उतनी बड़ी सामाजिक प्रतिष्ठा के रूप में देखा जाने लगा। जिसके नुकसान अब सामने देखने को मिल रहे हैं।

पेट की गैस

कहीं बड़ी समस्या में न बदल जाए

आजकल पेट में गैस बनना एक साधारण बात हो गई है। पाचन तंत्र में विकार उत्पन्न होने की वजह से उदर और आंतों में गैस की समस्या उत्पन्न हो जाती है है। गैस बनना किसी रोग का लक्षण भी हो सकता है। अधेड़ उम्र के लोग इससे अधिक पीड़ित रहते हैं। क्योंकि इस उम्र में पाचन क्रिया कमजोर होने लगती है। लोग अक्सर इसे आम समस्या समझकर नजर अंदाज कर दिया करते हैं।

गैस उदर या आंतों में बनती है। उदर व आंत शरीर के वे भाग हैं जिसमें आहार का पाचन होता है। पाचन के लिए आमाशयिक रस की जरूरत होती है। अमाशयिक रस में एंजाइम, पेप्सिन, लाइपेज और रेनिन होते हैं। पेप्सिन, हाइड्रो क्लोरिक अम्ल के साथ मिलकर प्रोटीन को पेप्टीन में बदलता है। रेनिन, दूध के केसीनोजन को गाढ़ा करता है और लाइपेज वसा का पाचन कराता है। अमाशयिक रस द्वारा ही कुछ विषैले पदार्थ जैसे विष, धातु, अल्केलोइड्स आदि निकलते हैं। अनावश्यक जीवाणुओं व कीटाणुओं का नाश भी अमाशयिक रस के द्वारा ही होता है। खाने की चीजों के पाचन के लिए अमाशयिक प्रक्रिया के दौरान पोषक तत्व सोख लिए जाते हैं, और अनचाहे अवशेष मलमूत्र के रूप में शरीर से बाहर निकल जाते हैं। पाचन क्रिया के तहत रासायनिक प्रक्रिया होती है और गैस बन जाती है। गैस का अधिक या कम बनना पाचन शक्ति, व्यक्ति की आयु, शारीरिक और मानसिक रोग और खाने की चीजों के मिश्रण आदि पर निर्भर होता है।

पेट की गैस दो प्रकार की होती है। एक तो वह जो भोजन करते समय हमारे पेट में पहुंच जाती है। जैसे? नाइट्रोजन, ऑक्सीजन। दूसरी कार्बन डाइआक्साइड, हाइड्रोजन और मीथेन है जो पाचन प्रक्रिया के दौरान आंतों में बनती है। एक स्वस्थ व्यक्ति में ये गैसें कम मात्रा में होती हैं जो कि मलद्वार या डकार से आसानी से बाहर निकल जाती हैं। परन्तु अधिक मात्रा में गैस बनने और पाचन क्रिया के दौरान इसके भोजन में मिलने के कारण इससे कष्ट देने वाले लक्षण पैदा होने लगते हैं। इन लक्षणों में मुख्य है। खाना खाने के एक या दो घंटे पश्चात पेट में भारीपन महसूस होता है और सांस लेने में भी तकलीफ होती है तथा मलद्वार से अधिक गैस निकलने के कारण आंतों में अनपचे कार्बोहाइड्रेट का बैक्टीरिया द्वारा फर्मेंटेशन होता है। ये गैसें अधिकतर हाइड्रोजन कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन होती हैं। सामान्यतः इनमें कोई गंध नहीं होती।

पेट के दर्द की वजह गैस नहीं है। दर्द आंतों की गतिशीलता में कमी की वजह से होता है। ज्यादा गैस बनना किसी गंभीर रोग से संबंधित हो सकता है। खट्टी डकारें आना, पेट का फूलना और मलद्वार से दुर्गंधमय गैस निकलने को नजरअदांज नहीं किया जाना चाहिए। इन का पूरा इलाज होना जरूरी है। उदर के रोग जैसे गैस्ट्राइटिस, पेट में अल्सर या पेप्टिक कैंसर, आंतों के रोग एंट्राइटिस, अल्सर, एमीबाइसिस तथा जिआर्डिएसिस आदि से भी गैस की समस्या हो सकती है।

इसके अलावा हवाई यात्रा में भी गैस विकार की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। हवाई यात्रा के दौरान इस रोग से ग्रस्त लोगों को अधिक सावधानी की आवश्यकता होती है क्योंकि हवाई जहाज में वायुमण्डल का दबाव कम होने के कारण उदर की गैस आयतन में तीस प्रतिशत की वृद्धि हो जाती है और कष्टदायक लक्षण सामने आने लगते हैं।

मुंह और सांस लेने के अंगों में विकारों की वजह से भी गैस की समस्या हो सकती है। नाक, सांस में बाधा, टौंसिल और एडिनाइड का इलाज आसानी से संभव हो सकता है और अगर गैस की समस्या इनके कारण से हो तो उसे दूर किया जा सकता है। इसी तरह दांतों के विकार और कृत्रिम दांतों की बनावट के कारण होने वाले विकार भी गैस के लक्षण हो सकते हैं।

शिशुओं में भी गैस विकार की समस्या पाई जाती है। शिशु मां से या बोतल से दूध पीते समय मुंह से हवा अंदर ले लेते हैं। इस प्रकार दूध के साथ-साथ आक्सीजन और नाइट्रोजन गैसें भी उनके पेट में पहुंच जाती हैं। यदि पेट में गैस ज्यादा मात्रा में हो जाती है तो वह दूध पीना छोड़ देता है और बेचैनी महसूस करता है, रोने लगता है और यदि यह गैस समय पर डकार द्वारा नहीं निकलती है तो या तो शिशु उल्टी कर देता है या फिर उसे असमय ही गैस के साथ मल हो जाता है।

गैस निकालने के लिए बच्चे को दूध पिलाने के बाद कंधे से लगाकर पीठ थपथपानी चाहिए, जब तक कि वह डकार न ले ले। गैस के विकार से होने वाली समस्या से बचने के लिए खाने?पीने में सफाई की आदत की जरूरत होती है। जल्दी-जल्दी जरूरत से ज्यादा खाना, खाते समय, चिंता या मानसिक तनाव से ग्रस्त होना, भोजन के समय बीच-बीच में ज्यादा पानी पीना आदि गैस की परेशानी को और अधिक बढ़ाते हैं। जुलाब की गोलियों का बार-बार इस्तेमाल भी हानिकारक होता है।

गैस के अलग-अलग शारीरिक और रोगात्मक कारण होते हैं इसलिए हर किसी के लिए एक सा भोजन उपयुक्त नहीं होता। जिन खाने की चीजों से गैस बनने की संभावना हो उनसे बचना चाहिए। कोका कोला, पेप्सी, सोड़ा आदि पेय ज्यादा गैस पैदा करते हैं क्योंकि इन सब में कार्बन डाईआक्साइड तथा सोड़े की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसी खाने की चीजों से भी बचना चाहिए जिन में लेक्टोज की मात्रा ज्यादा होती है। बच्चों को लेक्टोज रहित आहार के तहत न्यूट्रा माइजेन जैसे एमिनो एसिड, प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट या फिर सोयाबीन का दूध दिया जा सकता है। बड़ों को सभी प्रकार के दूध, आइस्क्रीम, चीज, दूध से बनी मिठाई, दूध से बने पेय, सफेद ब्रेड, बिस्कुट, क्रीम सूप, क्रीम युक्त व्यंजन और ठंडे मांसाहार से बचना चाहिए।

कुछ सब्जियां और फल भी अधिक गैस बनाते हैं। फूल गोभी, पत्ता गोभी, सूखी फलियां, ककड़ी, हरी मिर्च, सलाद, मटर, मूली, प्याज, कच्चे सेब, तरबूज, खरबूजा आदि अधिक गैस बनाते हैं। तले हुए या वसायुक्त पदार्थों से भी ज्यादा गैस बनती है। इनके इस्तेमाल से आंतों में कार्बन डाईआक्साइड बनती है।

अन्य रोगों की तरह गैस विकार की समस्या पर काबू पाने के लिए भी नियमित व्यायाम और योगाभ्यास लाभदायक होते हैं। सुबह शाम 2-4 किलोमीटर तक घूमना गैस की समस्या को दूर करने के लिए अच्छा व्यायाम है। इससे रक्त संचार भी ठीक बना रहता है। पाचन शक्ति भी सही रहती है। मानसिक तनाव से दूर रहते हुए शांति से सादा भोजन, इसका सबसे बड़ा इलाज है।

खाना खाते वक्त कम पानी पीना चाहिए। क्योंकि अधिक पानी पाचन के लिए हानिकारक होता है। रात को देर से भोजन करना भी गैस की समस्या को बढ़ाता है। भोजन को ठीक से पचने के लिए 6-8 घंटे लगते हैं। इसके लिए पूर्ण आराम और 7-8 घंटे की नींद आवश्यक होती है। इन सावधानियों को बरतने के बाद भी यदि गैस से पीछा न छूटे तो किसी विशेषज्ञ से सलाह लें।

सेहत की कुछ बातें

बाल्यावस्था के दिन मौज-मस्ती और नटखटपन के होते हैं। हालांकि इसी अवस्था में शरीर का सही विकास भी होता है। इसलिए इस उम्र में बच्चों के खानपान पर समुचित ध्यान देना चाहिए। यह माता-पिता और अभिभावकों का दायित्व है कि वे अपने बच्चों में सेहत के प्रति सजगता की आदत बचपन से ही डालें। बाल्यावस्था में बच्चों में मोटापा, वजन कम होना, एनीमिया और दांतों संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। कुछ बच्चों में व्यवहार सीखने संबंधित समस्याएं भी पैदा होती हैं। ऐसे बच्चों को अपनी उम्र के अन्य बच्चों के साथ घुलने-मिलने में दिक्कत होती है।

बहुत जरूरी है नाश्ता

सुबह का नाश्ता करने के लिए बच्चों को अवश्य प्रोत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। चिकित्सकों का कहना है कि बच्चों को संतुलित और पौष्टिक नाश्ता करवाकर ही स्कूल भेजें। बच्चे को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार स्नैक्स जरूर देने चाहिए। स्नैक्स का सबसे अच्छे विकल्प फल हैं। ड्राई फरूट्स भी स्नैक्स के अच्छे विकल्प हैं।

स्कूल भी ध्यान रखें

ज्यादातर स्कूल की कैंटीन में खानपान की स्वास्थ्यकर वस्तुएं उपलब्ध नहीं होतीं। यहां समोसा, चाऊमिन और बर्गर आदि वस्तुएं ही उपलब्ध होती हैं। ये वस्तुएं कभी-कभी खायीं जाएं तो ही ठीक रहता है। प्रतिदिन जंक फूड और फास्ट फूड का सेवन बच्चों की सेहत के लिए सही नहीं रहता है। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चे को स्वास्थ्यप्रद वस्तुओं से युक्त टिफिन बाक्स देकर ही स्कूल भेजें।

सामाजिक समारोह

बदलते दौर में माता-पिता के साथ बच्चे भी सामाजिक समारोहों में बढ़-चढ़कर शिरकत करते हैं। मसलन, बर्थ-डे पार्टी में जाना, पिकनिक पर जाना, शॉपिंग मॉल आदि जगहों पर जाना। इन स्थानों पर खाने-पीने की जो वस्तुएं उपलब्ध होती हैं, उनमें से ज्यादातर स्वास्थ्यकर नहीं होतीं। ऐसे स्थानों पर बच्चों को एक बेहतर विकल्प चुनने की राय देनी चाहिए।

मोटापा

अपने देश में बाल्यावस्था में होने वाले मोटापे की समस्याएं बढ़त पर हैं। आप बच्चे में खानपान से संबंधित अच्छी आदतें डालकर उन्हें मोटापे से बचा सकती हैं। इसके लिए उन्हें शुगर युक्त खाद्य पदार्थो से दूर रखें और उनके आहार में सब्जियां व फलों की मात्रा बढ़ाएं। बच्चे को यह भी समझाना चाहिए कि उसे मिठाइयों व ऐसे पेय पदार्थ्थो से दूर रहना चाहिए, जिनमें शुगर ज्यादा रहती है। बच्चे को फल व सब्जियां खाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि पहले से ही आपका बच्चा मोटा है तो उसे शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

वजन कम होना

कुछ बच्चों का वजन लंबाई के अनुपात में काफी कम होता है। कुछ बच्चों की आदत कम खाने की होती है। उनकी यह प्रवृत्ति माता-पिता के लिए परेशानी का कारण बन जाती है। ऐसे बच्चों के बारे में माता-पिता को यह मालूम करना चाहिए कि उन्हें कौन से खाद्य पदार्थ पसंद हैं। संभव है कि पसंदीदा खाद्य पदार्थ न मिलने के कारण वे कम खाते हों। उन्हें प्यार से समझाकर स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन दें। अगर बच्चे का वजन कम है तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसे शुगरयुक्त खाद्य पदार्थो को खाने की अनुमति प्रदान करें। शुगरयुक्त खाद्य पदार्थ्थो का अधिक सेवन नुकसानदेह ही होता है।

दांतों की समस्या

दांतों में दर्द होना और कीड़ा लगना एक आम समस्या है। इस समस्या से बचने के लिए बच्चों में यह आदत डालें कि वे रात में भी सोने से पहले टूथब्रश करें। रात में शुगरयुक्त खाद्य पदार्थो को कम से कम खाने की सलाह दें।

खून की कमी

खून की कमी अर्थात एनीमिया से ग्रस्त बच्चे थोड़ा सा काम करने पर थकान महसूस करने लगते हैं। उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती नहीं रहती। इसके चलते बच्चों की मानसिक क्षमता भी कम होने लगती है। एनीमिया की कमी दूर करने के लिए बच्चों को हरी पत्तेदार सब्जियां दें। इसके अलावा उन्हें प्रतिदिन थोड़े से ड्राई फरूट्स भी खाने को दें। इससे उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती बनी रहती है।

जिंदगी के 14 साल कम कर देगी आपकी यह गलती

अगर आप अपने बढ़ते वजन पर कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं, न तो डाइट सेहतमंद लेते हैं और न ही खुद को फिट करने के लिए कसरत करते हैं तो आप अपने जीवन के 14 साल कम कर रहे हैं।यकीन नहीं आता तो अमेरिका के नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट द्वारा करवाए गए शोध पर गौर करें। शोधकर्ता का दावा है कि मोटापे के शिकार वे लोग जिनका बीएमआई 40 से अधिक है, उनका जीवनकाल 14 साल घट जाता है।

कई रोगों का है खतरा - पिछले 20 अलग-अलग शोधों के आधार पर किए गए इस अध्ययन में अत्याधिक मोटापे के कारण दिल के रोगों, कैंसर और डायबिटीज जैसे रोगों की आशंका जताई है। उन्होंने अपने अध्ययन में अधिक बीएमआई वाले लोगों के वजन की तुलना सामान्य वजन वाले लोगों से की है और इसी आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। शोधकर्ता कैरी कितहारा के अनुसार, हमने अपने अध्ययन में पाया कि मोटापे की समस्या जिन लोगों को है उनकी मृत्यु दर सामान्य वजन वाले लोगों की अपेक्षा 2.5 गुना अधिक है।

ये उपाय हैं मददगार - शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में माना है कि खानपान और जीवनशैली पर नियंत्रण, कसरत और सेहतमंद डाइट की मदद से वजन को नियंत्रित रखा जा सकता है और असमय मृत्यु के रिस्क को कम किया जा सकता है।

नवजात शिशुओं को रोगों से बचाएगी यह नई थेरेपी

जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे नवजात शिशुओं को कूलिंग थेरेपी देने से उन्हें सेरेब्रल पॉल्सी जैसी बीमारी से बचाया जा सकता है।

प्रसिद्ध शोध पत्रिका न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन में यह पता चला है। इस शोध के अनुसार स्कूल जाने की उम्र में इन बच्चों का आईक्यू (इंटेलीजेंस कोशेंट) भी बेहतर होता है।

कूलिंग थेरेपी में नवजात शिशु को एक खास मैट पर तीन दिन तक 33 डिग्री सेंटीग्रेड पर रखा जाता है। इससे उनका दीर्घकालिक मानसिक क्षति से बचाव होता है।

ब्रिटेन में हर 500 में से एक नवजात शिशु को जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी का सामना करता है।

ऑक्सीजन की कमी के कारण मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं। इससे बच्चों के दिमाग़ को क्षति पहुंच सकती है, यहां तक कि कई बार उनकी मौत का ख़तरा भी रहता है।

कुछ समय पहले तक इस बीमारी का कोई स्वीकार्य तरीका नहीं था।

जीवित रहने की संभावना

साल 2009 में 300 से अधिक नवजात शिशुओं पर एक अध्ययन हुआ। उन्हें कूलिंग ट्रीटमेंट या थेरेप्युटिक हाइपोथर्मिया दिया गया।

इसके बाद पाया गया कि 18 महीने के शिशुओं में होने वाली मस्तिष्क की क्षति कम की जा सकती है।

कूलिंग थेरेपी वाले 45 फ़ीसदी नवजात शिशुओं में मस्तिष्क से जुड़ी कोई असामान्यता नहीं मिली। जबकि सामान्य उपचार वाले 28 फ़ीसदी बच्चों में दिमाग़ से जुड़ी असामान्यता पाई गई।

इसी तरह सामान्य थेरेपी वाले 36 फ़ीसदी बच्चों की तुलना में कूलिंग थेरेपी वाले केवल 21 फ़ीसदी नवजात शिशुओं में ही सेरेब्रल पॉल्सी पाई गई।

शोधकर्ताओं के मुताबिक़ अब अगला क़दम यह देखना होगा कि हाइपोथर्मिया के इलाज और सामान्य जीवित रहने की संभावना कैसे बढ़ाई जा सकती है।

जीवन बीमा की पॉलिसी पर मिलेगी ऋण सुविधा

पालिसी धारक को मिलेगा, पालिसी रद्द करने का अधिकार

नई दिल्ली । बीमा नियामक आयोग इरडा ने बीमा धारकों के हितों की रक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इरडा ने जो सर्कुलर जारी किया है। उसके अनुसार अब सभी जीवन बीमा पॉलिसीयों पर बीमाधारक लोन भी ले सकेंगे। जो बीमाधारक बीच में अपनी पॉलिसी कैंसिल करना चाहता है। इसका अधिकार बीमा धारक को दिया गया है। इरडा ने बीमा क्षेत्र में सुधार के लिए कई घोषणा की है। जीवन बीमा पॉलिसी का धारक अब बिना कारण बताए पाल्सी को खत्म कर सकता है। बीमा धारक को कंपनी अनुपातिक प्रीमियम वापस करेगी। इसके लिए 1 वर्ष तक बीमा पॉलिसी का चलना अनिवार्य है। पॉलिसी धारक को सस्ती दरों पर लोन लेने की सुविधा होगी। जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के फ्री लुक पीरियड को 15 दिन से बढ़कर 30 दिन किया गया है। यदि पॉलिसी के कोई फीचर पसंद नहीं आते हैं। ऐसी स्थिति में पॉलिसी को वापस किया जा सकता है। उच्च शिक्षा मे बच्चों की पढ़ाई, शादी, मकान खरीदने के लिए भी जीवन बीमा पॉलिसी से राशि आहरण की सुविधा दी जाएगी। बीमा पॉलिसी के नए नियम 1 अगस्त 2024 से लागू हो जाएंगे। इरडा ने बीमा कंपनियों से कहा है। वह अपने क्षेत्र में सभी अस्पतालों में फिजिकल हेल्प डेस्क तैयार करे। जहां पर स्वास्थ्य बीमा से संबंधित पाल्सी धारक को तत्काल मदद की सुविधा मिले। अब सभी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी 100 फ़ीसदी केशलेस होगी। बीमा कंपनियों को पॉलिसी मैं दी गई जानकारी को आसान भाषा में प्रदर्शित करना होगा। ताकि पॉलिसी धारक आसानी से समझ सके।

आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के भ्रामक विज्ञापन के लिए एडु टैप पर जुर्माना

नई दिल्ली । केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापन देने के लिए एडटेक कंपनी एडु टैप लर्निंग सॉल्यूशंस पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने विज्ञापन में दावा किया था कि उसके 144 छात्रों का चयन 2023 में आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के लिए हुआ है। सीसीपीए ने जारी आदेश में एडु टैप को सभी इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया से विवादित विज्ञापन को तुरंत हटाने या वापस लेने का निर्देश दिया। कंपनी को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। उपभोक्ता निगरानी संस्था ने पाया कि एडु टैप के यूट्यूब तथा टेलीग्राम चैनल पर विज्ञापनों में प्रतिष्ठित आरबीआई परीक्षा के लिए चुने गए 144 उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरें दिखाई गईं। हालांकि, इन उम्मीदवारों ने मंच से कौन से खास कार्से किए थे यह अहम जानकारी इनमें नहीं दी गई। सीसीपीए के जांच के निष्कर्षों के अनुसार, 144 उम्मीदवारों में से 57 ने केवल एडु टैप द्वारा निःशुल्क प्रदान किए जाने वाले 'इंटरव्यू गाइडेंस कोर्स' में हिस्सा लिया था। यह पाठ्यक्रम उम्मीदवार द्वारा आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के प्रारंभिक और मुख्य चरणों को उत्तीर्ण करने के बाद शुरू होता है। सीपीए के आदेश में कहा गया कि एडू टैप ने सफल छात्रों द्वारा चुने गए कोर्स के प्रकार तथा अवधि के बारे में जानबूझकर महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई ताकि लोगों को गुमराह किया जा सके।

एलन मस्क ने हटाए कंपनी से 80 प्रतिशत कर्मचारी

वाशिंगटन। अधिग्रहण के बाद एलन मस्क ने सोशल मीडिया कंपनी को निजी बना लिया, जिससे उनके निर्णय में पारदे र्शिता कम हो गई है। इस कारण 2022 में ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदने के कुछ महीनों के भीतर, उन्होंने आधे कर्मचारियों को निकाल दिया था। एलन मस्क ने वर्ष 2022 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को खरीद लिया था। ट्विटर को खरीदने के बाद ही इसका नाम भी बदलकर एक्स कर दिया था। वहीं अब जानकारी मिली है कि ट्विटर यानी एक्स प्लेटफॉर्म के 6000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है। ये कुल कर्मचारियों का लगभग 80 प्रतिशत आंकड़ा है। जब एलन मस्क ने एक्स का कार्यभार संभाला था, तब उन्होंने कुछ कटौती करने की घोषणा की थी, जिसे तब से दुनिया की अन्य प्रौद्योगिकी कम्पनियों में भी देखा गया है।

तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारतः वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड बैंक की ओर से कहा गया है कि भारत अगले 3 साल में 6.7 प्रतिशत की विकास दर से आगे बढ़ेगा। मजबूत घरेलू मांग, निवेश में उछाल और सर्विसेज सैक्टर में अच्छी गतिविधि के चलते भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। एक रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को 6.6 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा, हालांकि इसके विस्तार की गति थोड़ी धीमी हो सकती है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2024-25 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया था। आरबीआई ने पिछले हफ्ते चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 7.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत और अंतिम तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने जनवरी-

मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जबकि पूरे साल 2023-24 के लिए विकास दर 8.2 प्रतिशत है। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत थी।

तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत~ वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ल्ड बैंक की ओर से कहा गया है कि भारत अगले 3 साल में 6.7 प्रतिशत की विकास दर से आगे बढ़ेगा। मजबूत घरेलू मांग, निवेश में उछाल और सर्विसेज सैक्टर में अच्छी गतिविधि के चलते भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। एक रिपोर्ट में वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में भारत के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को 6.6 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा, हालांकि इसके विस्तार की गति थोड़ी धीमी हो सकती है। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2024-25 के लिए भारत के विकास पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया था। आरबीआई ने पिछले हफ्ते चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 7.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत और अंतिम तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जबकि पूरे साल 2023-24 के लिए विकास दर 8.2 प्रतिशत है। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत थी।

हिंदुजा ग्रुप का अनिल अंबानी की कंपनी को खरीदने में छूट रहा पसीना

मुंबई ।

कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए हिंदुजा ग्रुप को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। हिंदुजा ग्रुप ने एनसीएलटी में एक आवेदन देकर लेंडर्स को अंतिम भुगतान करने के लिए और समय मांगा है। हिंदुजा समूह की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स (आईआईएचएल) ने अक्टूबर 2023 में रिलायंस कैपिटल के लिए 9,850 करोड़ की सबसे बड़ी बोली लगाई थी। आईआईएचएल को अधिग्रहण को पूरा करने के लिए इंश्योरेंस रेगुलेटर सहित सभी अहम मंजूरियां मिल चुकी हैं। रिलायंस कैपिटल की इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग को पूरा करने और भुगतान करने की समय सीमा 27 मई थी। हिंदुजा ग्रुप ने बताया कि डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड से विदेशी निवेश के लिए मंजूरी मिलने में देरी हुई है, इसकारण इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए और समय चाहिए। रिलायंस कैपिटल के लेंडर्स का आरोप था कि आईआईएचएल द्वारा आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने में विफलता का खामियाजा कॉरपोरेट देनदार और उसके वित्तीय लेनदारों को नहीं उठाना चाहिए। मंजूरी मिलने में देरी पूरी तरह से आईआईएचएल के कारण है। आईआईएचएल ने अपने आवेदन में दावा किया है कि सभी मंजूरियां प्राप्त करना उसकी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है, क्योंकि अधिकांश मंजूरियों के लिए प्रशासक या कॉर्पोरेट देनदार की परिचालन सहायक या सहयोगी कंपनियों के माध्यम से आवेदन करना आवश्यक है, इसलिए ग्रुप के हाथ में नहीं है। 2,750 करोड़ की इक्विटी निवेश के बारे में आवेदन में कहा गया है कि ग्रुप ने अपने ऑडिटर्स डी एंड जी एसोसिएट्स एलएलपी के जरिए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है। यह इस बात का प्रमाण है कि ग्रुप इक्विटी पूंजी निवेश करने के अपने दायित्व को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 204 अंक, निफ़्टी 75 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के इस साल ब्याज दरों को कम करने की संभावनाओं से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इसके साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति दर में कमी आने से भी बाजार को बल मिला है। खुदरा मुद्रास्फीति मई में घटकर 4.7 फीसदी रह गई, जो 12 महीने में इसका सबसे कम आंकड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.27 फीसदी करीब 204.33 अंक बढ़कर 76,810.90 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.33 फीसदी तकरीबन 75.95 अंक उछलकर 23,398.90 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.73 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही टाइटन, एलएंडटी, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, विप्रो और बजाज फाइनेंस के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर नीचे आया। इसमें 1.64 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, आईटीसी, एनटीपीसी और टाटा मोटर्स के शेयर भी टूटे। बाजार जानकारों के अनुसार आर्थिक मोर्चे पर मुद्रास्फीति में कमी के आंकड़ों से आने वाले समय में ब्याज दर में कटौती की उम्मीद है। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और इंडस्ट्रियल शेयरों में भारी खरीदारी से भी बाजार को बल मिला है। वहीं दूसरी ओर एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी रही जबकि जापान के निक्की और चीन के शंघाई कम्पोजिट में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार दोपहर के सेशन के दौरान गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी के ज्यादातर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह धेरेलू शेयर बाजार ने महंगाई के आंकड़ों में गिरावट के कारण नए रिकॉर्ड स्तर पर शुरुआत की। खुलते ही बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी ने नए शिखर छुए, बीएसई सेंसेक्स 77,102 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 23,481 के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क इंडेक्स ने अपनी बढ़त को कुछ हद तक गंवा दी थी। सेंसेक्स 373 अंकों की बढ़त के साथ 76,979 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी50 0.50 प्रतिशत बढ़कर 23,439 के स्तर पर पहुंच गया।

पेटीएम शेयर की कीमत में 3 फीसदी तेजी

- पेटीएम सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी

मुंबई ।

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में गुरुवार को तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पेटीएम के शेयर की कीमत 415.50 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसके साथ ही कंपनी ने घोषणा भी की है कि कंपनी सैमसंग वॉलेट के साथ साझेदारी करेगी। इस साझेदारी से यूजर्स को फ्लाइट, बस, मूवी और इवेंट टिकट बुकिंग करने में लाभ हो सकेगा। इसके बाद गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को अब पेटीएम की सेवाएं मिलेंगी, जिसमें फ्लाइट और बस बुकिंग, मूवी टिकट खरीद और इवेंट बुकिंग शामिल हैं। सैमसंग वॉलेट से साथ साझेदारी करने के बाद सर्विसेस का उपयोग किया जा सकेगा। सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी स्मार्टफोन उपयोगकर्ता फ्लाइट, बस और मूवी बुकिंग के लिए पेटीएम ऐप और इवेंट बुकिंग के लिए पेटीएम इनसाइडर ऐप का उपयोग करते हैं, ताकि वे सैमसंग वॉलेट में जोड़ें कार्यक्षमता का उपयोग करके अपने टिकट सीधे सैमसंग वॉलेट में जोड़ सकें। इससे वे हवाई अड्डों, बस टर्मिनलों, सिनेमा हॉल, इवेंट स्थलों आदि में प्रवेश करने के लिए इन तक आसानी से पहुँच सकेंगे। बता दें कि बीमा नियामक इरडा ने सामान्य बीमा उत्पादों के निर्माता के रूप में पेटीएम जनरल इंश्योरेंस के पंजीकरण वापसी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है। पेटीएम ने कहा कि यह कदम स्वास्थ्य, जीवन, मोटर, दुकान और गैजेट्स खंडों में बीमा वितरण को दोगुना करने की हमारी दिशा के अनुरूप है, जिसे हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम इंश्योरेंस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड (पीआईबीपीएल) के माध्यम से सुगम बनाया गया है।

हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के लिए छोटे टिकट वाले बीमा उत्पादों पर नवाचार करना है।

देश का उपभोक्ता बाजार दीर्घकालिक संरचनात्मक अवसर प्रस्तुत करता हैः टीसीपीएल

नई दिल्ली । टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत का उपभोक्ता बाजार दीर्घकालिक संरचनात्मक अवसर प्रस्तुत करता है, जो जनसंख्या, बढ़ते मध्यम वर्ग, तेजी से शहरीकरण, बढ़ती प्रयोज्य आय तथा बढ़ती आकांक्षाओं से प्रेरित है। टीसीपीएल की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टाटा समूह की एफएमसीजी शाखा इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। अे धिकारी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद मजबूती से बढ़ रही है और वर्तमान गति उच्च बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत इसी प्रकार की वृद्धि गति को बनाए रखेगा। विश्व अर्थव्यवस्था के लिए आधारभूत पूर्वानुमान 2024 और 2025 के दौरान दो प्रतिशत से अधिक की वृद्धि जारी रखने का है। उन्होंने कहा` कि हालांकि भारत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 8.2 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर के साथ बहुत मजबूती से बढ़ रहा है। भविष्य को देखते हुए, गति उच्च बनी हुई है और भारत को आने वाले वर्षों में इसी तरह की वृद्धि गति बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय मध्यम वर्ग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कंपनी के लिए अवसर उत्पन्न होंगे।

जुलाई के दूसरे पखवाड़े में पेश हो सकता है पूर्ण बजट

नई दिल्ली:

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट जुलाई के दूसरे पखवाड़े में पेश कर दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि विभिन्न मंत्रालयों और पक्षों से बजट के लिए सलाह मशविरे का काम अगले हफ्ते शुरू हो सकता है। बजट से पहले 2023-24 की आर्थिक समीक्षा पेश की जाएगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होकर 3 जुलाई तक चलेगा। इसमें नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी और लोक सभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। इसके बाद राष्ट्रपति लोक सभा और राज्य सभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी और उस पर चर्चा होगी। उन्होंने लिखा, 'राज्य सभा का 264वां सत्र 27 जून को शुरू होगा और 3 जुलाई तक चलेगा।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था, जिसमें सरकारी खजाने को मजबूती देने के सरकार के संकल्प का ध्यान रखा गया था। सरकार ने राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 फीसदी से नीचे लाने का लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी के 5.1 फीसदी के बराबर रहने का

अनुमान लगाया गया है। बजट में यह भी पता चलेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक से मिले 2.11 लाख करोड़ रुपए के भारी भरकम लाभांश का इस्तेमाल सरकार किस तरह करेगी।

इससे सरकार को वित्तीय मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है और खर्च संभालने में भी उसे ज्यादा सहूलियत होगी। एसऐंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा है कि अगर सरकार की नीतियों में निरंतरता बनी रहती है तो वह अगले दो साल में भारत की रेटिंग को अपग्रेड कर सकती है। मगर इसके लिए जरूरी है कि सरकार आर्थिक सुधार बढ़ाए, बुनियादी ढांचे पर ज्यादा निवेश करे और राजकोषीय एवं मौद्रिक मोर्चे पर उसकी नीतियां सतर्कता भरी रहें।

सोना फिसला, चांदी 90 हजार से नीचे

नई दिल्ली ।

देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा कारोबार में गुरुवार को नरमी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 495 रुपये की गिरावट के साथ 71,475 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 1,499 रुपये की गिरावट के साथ 88,946 रुपये पर खुला। इसके बाद यह 2,010 रुपये की गिरावट के साथ 88,435 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,340.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,354.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 23.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,331.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.80 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.26 डॉलर था। इस समय यह 1.03 डॉलर की नरमी के साथ 29.23 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कलर्स चैनल के सितारों ने अपने पिता के साथ अपने सबसे पवित्र रिश्ते को याद करते हुए अपने दिल की बात कही

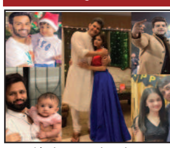

कलर्स के 'मेरा बलम थानेदार' में बुलबुल का किरदार निभा रहीं श्रुति चौधरी कहती हैं, "मेरे पिता ने मेरी पूरी ज़िंदगी मेरा निरंतर साथ दिया है और मुझे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। मुझे हमारी रविवार की सुबहें बहुत अच्छे से याद हैं, जब वे मेरी बहन और मेरे लिए अलग-अलग तरह का नाश्ता बनाते थे, जिससे हर रविवार बहुत खास हो जाता था। हमारे बीच का रिश्ता बेहद मजबूत है। इस फादर्स डे पर, सेट पर होने के कारण मुझे अपने पिता की बहुत याद आएगी। हालांकि, मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे ऑनस्क्रीन ससुर राजेंद्र चावला (जो वर्धन सिंह का किरदार निभा रहे हैं) मेरे साथ होंगे, हमेशा मुझे प्यार करते हैं और अपनी बेटी की तरह मुझे लाड़ करते हैं। मुझे बहुत खुशी है कि इस शो के ज़रिए मुझे दो पिता मिले हैं, जिन्हें मुझ पर गर्व है। मैं सभी पिताओं को कहना चाहूंगी - आपका प्यार और मार्गदर्शन हमारी दुनिया को आकार देता है। हैप्पी फादर्स डे!"

कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के सेलेब्रिटी प्रतियोगियों में से एक करण कुंद्रा कहते हैं, "मेरे पिता मेरे लिए बेस्ट फ्रेंड की तरह हैं, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है। आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह सब उन्हीं की बदौलत है। जब मुझे यह भी नहीं पता था कि आगे क्या करना है, उन दिनों से लेकर आज मैं जिस मुकाम पर हूं इस समय तक वे हमेशा मेरे साथ रहे हैं, मेरा मार्गदर्शन करते रहे हैं। यह मेरे पिता ही थे जिन्होंने मुझे अपनी कद्र करना सिखाया। अच्छे-बुरे समय में, मेरे सभी उतार-चढ़ावों से निपटने में उन्होंने मेरी मदद की। उन्होंने जो कुछ भी किया है, मैं चाहे जितनी भी कोशिश कर लूं लेकिन उसका कर्ज़ नहीं चुका सकता। हैप्पी फादर्स डे डैड, आई लव यू!"

कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के सेलिब्रिटी प्रतियोगियों में से एक राहुल वैद्य ने कहा, च्एक कहावत है कि उन नन्हीं उंगलियों को छोड़ना सबसे मुश्किल होता है, और मैं अपने छोटे से बच्चे के साथ हर दिन इसका अनुभव करता हूं। भले ही मुझे ऐसा व्यस्त शेड्यूल मिलना सौभाग्य की बात है, लेकिन मैं नव्या के साथ अधिक समय बिताने को लेकर थोड़ा लालची भी हूं। पिता बनना ऐसा एहसास है जिसके जैसा कुछ और नहीं है, और हमारा घर वाकई उसके आने से धन्य हो गया है। यह फादर्स डे मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि यह मेरा पहला फादर्स डे है। मैं उसके और दिशा के साथ अनमोल पल बिताने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं, ऐसी यादें बनाऊंगा जो जीवन भर मेरे साथ रहेंगी।"

भारत में शाओमी 14 CIVI लॉन्च हुआः लाइका के साथ निर्मित इस कैमरा-केंद्रित पॉवरहाउस ने शाओमी 14 सीरीज़ को मजबूत किया

टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर, शाओमी ने शाओमी 14 CIVI का अनावरण किया है। यह शाओमी 14 सीरीज़ का एक बेहतरीन स्मार्टफोन है। लाइका के साथ सहनिर्मित शाओमी 14 CIVI मोबाईल इमेजिंग और स्मार्टफोन फोटोग्राफी में शाओमी की विरासत को आगे बढ़ा रहा है। शाओमी 14 CIVI में कैमरा परफॉर्मेंस को बहुत बढ़ा दिया गया है, और शाओमी 14 सीरीज़ की आईकोनिक डिज़ाईन लैंग्वेज़ के साथ फ्लैगशिप सेगमेंट में एक महत्वपूर्ण प्रगति की गई है। इससे अत्याधुनिक इनोवेशन पूरे जनसमूह तक पहुँचाने की शाओमी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।

अनुज शर्मा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, शाओमी इंडिया ने कहा, "लाइका के साथ सहनिर्मित, शाओमी 14 सीरीज़ की जबरदस्त सफलता के बाद हम शाओमी 14 CIVI के लॉन्च की घोषणा करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।" उन्होंने आगे कहा, "शाओमी 14 सीरीज़ ने स्मार्टफोन फोटोग्राफी, इनोवेटिव डिज़ाईन और अतुलनीय परफॉर्मेंस की सीमाओं को बढ़ा दिया है। हमारा उद्देश्य इन लेटेस्ट इनोवेशंस को पूरे जनसमूह तक पहुँचाना था। शाओमी 14 CIVI के लॉन्च के साथ, हम इनोवेशन के नियम फिर से परिभाषित कर रहे हैं, और इस सेगमेंट में स्मार्टफोन की सीमाओं को बढ़ा रहे हैं। यह स्मार्टफोन अपने शानदार डिज़ाईन से लेकर मानकों से बढ़कर दैनिक परफॉर्मेंस के साथ संपूर्ण फ्लैगशिप अनुभव प्रदान करता है। इसमें सेगमेंट के सबसे अच्छे कैमरे लगे हैं। शाओमी 14 CIVI केवल एक स्मार्टफोन नहीं, बल्कि यह एक स्टेटमेंट है।"

डिज़ाईन और कम्फर्ट का तालमेल

शाओमी 14 सीरीज़ ने अपने आकर्षक डिज़ाईन और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ मोबाईल के अनुभव में परिवर्तन ला दिया है। शाओमी 14 CIVI के साथ शाओमी ने सीरीज़ की डिज़ाईन लैंग्वेज़ के साथ इसका अपना अलग अनुभव प्रदान किया है।

पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के लिए सुपर-8 की राह नहीं आसान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। बुधवार को भारत की अमेरिका पर सात विकेट से जीत के बाद पाकिस्तानी फैंस को खुश होने का मौका मिल गया। ग्रुप ए के एक अहम मैच में भारत ने 111 रनों का पीछा करते हुए अमेरिका को मात दी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने सुपर 8 के लिए क्वॉलीफाई कर लिया है। लेकिन अब पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और न्यूजीलैंड जैसी टीमें अभी भी अगले दौर के लिए कैसे क्वालीफाई कर सकती हैं।

कैसे पार होगी पाकिस्तान की नैया?

अमेरिका पर भारत की जीत ने पाकिस्तान के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाओं को काफी हद तक बढ़ा दिया है। बता दें कि कनाडा पर जीत के बाद पाक नेट रन रेट 0.191 हो गया था। जिससे उनके आगे बढ़ने की संभावना है, अगर वे आयरलैंड को हरा देते हैं और यूएसए अपने बचे मैच हार जाता है तो पाकिस्तान क्वालीफाई कर जाएगा। अगर आयरलैंड के खिलाफ मैच में बारिश के कारण मैच रद्द हुआ तो पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप के दौड़ से बाहर हो जाएगा।

इंग्लैंड का सुपर-8 का सफर

ग्रुप बी में इंग्लैंड की स्थिति भी पाकिस्तान की तरह बनी हुई है। ये टीम भी इस समय दूसरी टीमों पर निर्भर है। इंग्लैंड को ओमान और नामीबिया के खिलाफ अपने आखिरी दो मैच जीतने की जरूरत है और उम्मीद है कि स्कॉटलैंड 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना आखिरी मैच हार जाए। तो इस तरह इंग्लैंड सुपर-8 के लिए क्वॉलीफाई कर लेगी।

श्रीलंका के लिए सफर मुश्किल

बांग्लादेश के खिलाफ मिली श्रीलंका को मामूली हार ने उनसको सुपर-8 में एंट्री करने के लिए काफी हद तक प्रभावित किया है। अब अपनी लाज बचाने के लिए श्रीलंका को नेपाल और नीदरलैंड के खिलाफ अपने शेष मुकाबलों में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी और उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश अपने शेष दो मैचों में कम से कम एक मैच हार जाए।

न्यूजीलैंड की राह असंभव

न्यूजीलैंड को आज वेस्टइंडीज के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा। इससे न्यूजीलैंड का नेट रन रेट 2.425 पर पहुंच गया है। जिसके बाद वेस्टइंडीज ने सुपर-8 का टिकट कटवा लिया है। जबकि अफगानिस्तान का नेट रन रेट 5.225 गया है। उसने अपने दोनों मैच कंबाइंड टोटल 209 रनों से जीते हैं, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान दोनों ने युगांडा को 120 से ज्यादा रनों से हराया है। यहां से न्यूजीलैंड का क्वालीफिकेशन का रास्ता बहुत मुश्किल लग रहा है।

सरवनन को पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौकाचालक विष्णु सरवनन को आगामी पेरिस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। सरवनन ने इस साल की शुरू में ऑस्ट्रेलिया में हुई आईएलसीए 7 पुरुष विश्व चैम्पियनशिप में जीत के साथ ही दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। पिछली बार हुए टोक्यो ओलंपिक में वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। सरवनन ने कहा, ''टाक्यो में मैं निर्भीक होकर खेला था। वो मेरा पहला ओलंपिक था तो मुझे इसी कारण परिणाम की अधिक चिन्ता नहीं थी और मेरा ध्यान अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर था।'' वह पिछ्ले एक महीने से मार्सेल में साइप्रस के पावलोस कोंटाइड्स और क्रोएशिया के रियो टोन्सी स्टिपनोविच के साथ अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे ओलंपिक स्थल में ट्रेनिंग लेने का मौका मिला और मेरे साथ ओलंपिक पदक जीतने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।''

साथ ही कहा ऑस्ट्रलिया में हुई आईएलसीए में वह अनुभवी नौकाचालकों के होने के बाद भी दबाव में नहीं आने के कारण बेहतर प्रदर्शन कर पाये थे। उन्होंने कहा, ''इस दौरान मैंने पाया कि आप अनुभवी खिलाड़ियों से अपने को कम नहीं आंक सकते। आपको उस स्तर तक जाना होगा जिसमें आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें और उसको देखा जाये तो मेरे में सुधार आया है।।'' उन्होंने कहा, '' मैं आत्मविश्वास से भरा था और मैं हार नहीं मानने के जज्बे से खेल रहा था तो मैं उन्हें हराना चाहता था।''

रोहित शर्मा ने आईसीसी टूर्नामेंट में बनाया नया रिकॉर्ड, सौरव गांगुली को इस मामले में पछाड़ा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने पहले तीन लीग मैच जीतकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में जगह बना ली है। टीम इंडिया ने तीसरे लीग मैच में सह मेजबान यूएसए की टीम को 7 विकेट से हराकर ये कामयाबी अपने नाम की है। इस मैच में भारत की स्थिति तक खराब हो गई थी तब शुरुआती 3 विकेट 39 रन पर गिर गए, इसके बाद सूर्यकुमार यादव (50) और शिवम दुबे (31) ने भारतीय टीम की नैया को पार लगाया।

टीम इस जीत के साथ ही सुपर-8 में पहुंच गई है। वहीं इस जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 टूर्नामेंट में बतौर कप्तान सौरव गांगुली का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा आईसीसी टूर्नामेंट जीतकर गांगुली को पछाड़ दिया है। हालांकि, वो एमएस धोनी से अभी भी पीछे हैं। अमेरिका के खिलाफ रोहित शर्मा ने 3 रन, विराट कोहली गोल्डन डक पर आउट हुए और पंत ने 18 रन की पारी खेली।

इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया और फिर अर्शदीप सिंह की रिकॉर्ड गेंदबाजी के दम पर मेजबान यूएसए की टीम को 20 ओवर में 8 विकेट पर 110 रन रोक दिया। अर्शदीप ने 4 ओवर में 9 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि हार्दिक पंड्या 2 विकेट झटके।

बतौर कप्तान रोहित शर्मा का आईसीसी टूर्नामेंट में ये 17वीं जीत थी। रोहित ने अब तक 20 मैचों में कप्तानी की है जिसमें ये उनकी 17वीं जीत थी और उन्होंने सौरव गांगुली को पीछे छोड़ दिया है। गांगुली ने आईसीसी टूर्नामेंट में भारत के लिए 22 मैचों में कप्तानी करते हुए 16 मैच जीते थे और अब रोहित उनसे आगे निकल गए हैं।

वहीं इस मामले में एमएस धोनी काफी आगे हैं जिन्होंने बतौर भारतीय कप्तान 58 मैचों में कप्तानी की थी और 41 मैचों में जीत हासिल की थी। रोहित दूसरे नंबर पर जरूर आ गए, लेकिन धोनी को पीछे छोड़ना उनके लिए काफी कठिन होगा क्योंकि वो अपने क्रिकेट करियर के आखिरी दौर में चल रहे हैं। आने वाले वक्त में वो कितने आईसीसी टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और ये कहना कठिन है साथ ही 41 जीत तक पहुंचना काफी मुश्किल ही लग रहा है।

सुपर आठ में 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान से खेल सकती है भारतीय टीम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय टीम अमेरिका के खिलाफ जीत के साथ ही टी20 विश्वकप के सुपर आठ में पहुंच गयी है। यहां उसका पहला मुकाबला 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान से हो सकता है। इसके बाद उसके मुकाबले 22 और 24 जून को होंगे।

भारतीय टीम तीनो ही मैच जीतकर छह अंक लेकर ग्रुप ए में शीर्ष पर है। भारतीय टीम ने अबतक आयरलैंड, पाकिस्तान, और अमेरिका को हराया है अब उसका अंतिम मुकाबला कनाडा से होगा। सुपर-8 के मुकाबले 19 जून से शुरू होंगे। सुपर 8 की 8 टीमों को दो ग्रुप (1 और 2) में रखा गया है। ग्रुप-1 में ए1, बी2, सी1, डी2 को रखा गया है। वहीं ग्रुप-2 में ए2, बी1, सी2 डी1 को रखा गया है। भारतीय टीम ग्रुप ए में 6 अंक के साथ पहले नंबर पर है और वह इसी पर रहेगी क्योंकि उसका नेट रनरेट 1.137 है। वहीं अमेरिका के 4 अंक और उसका नेट रनरेट 0.127 है। अब अगर अमेरिका 100 से ज्यादा रन से जीत लेती है तो भी वह रट के मामले में भारत को पीछे नहीं छोड़ सकती। आईसीसी के कार्यक्रम के अनुसार ए1 टीम के सुपर-8 में तीन मुकाबले क्रमश- 20, 22 और 24 जून को होंगे। इस हिसाब से भारत का 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान (सी1) से मुकाबला हो सकता है। भारतीय टीम 22 जून को श्रीलंका या नीदरलैंड (डी2) से खेल सकती है। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप डी में है और ये तय है कि दक्षिण अफ्रीका ही ग्रुप स्टेज खत्म होने पर नंबर-1 पर रहेगी।

उसका ग्रप डी में अंतिम मुकाबला नेपाल से है। भारतीय टीम 24 जून को ग्रुप बी में दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम से खेल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम का मुकाबल स्कॉटलैंड या इंग्लैंड से हो सकता है। इस ग्रुप में अभी ऑस्ट्रेलिया 6 अंक के साथ पहले नंबर पर है। वहीं स्कॉटलैंड 5 नंबर के साथ दूसरे जबकि नामीबिया 2 नंबर के साथ तीसरे और इंग्लैंड 1 नंबर के साथ ही चौथे स्थान पर है। इंग्लैंड के अभी दो मैच बाकी हैं और अगर वह ये दोनों मुकाबले जीतता है और स्कॉटलैंड अपना आखिरी मैच हारता है तो ही अंक तालिका बदल सकती है, ऐसे में इंग्लैंड नंबर-2 पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया का अंतिम मुकाबला स्कॉटलैंड से है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम सुपर-8 में बी1 के तौर पर प्रवेश करेगी।

विंबलडन - एकल विजेता को मिलेंगे 27 लाख पाउंड, बजट हुआ 5 करोड़ पाऊंड

लंदन। ऑल इंग्लैंड क्लब के अधिकारियों ने गुरुवार को घोषणा की कि विंबलडन की कुल पुरस्कार राशि बढ़कर रिकॉर्ड 5 करोड़ पाउंड (लगभग छह करोड़ 40 लाख डॉलर) हो जाएगी जिसमें प्रत्येक एकल चैंपियन को 27 लाख पाउंड (34 लाख 50 हजार डॉलर) मिलेंगे। कुल इनामी राशि पिछले साल की तुलना में 53 लाख पाउंड (68 लाख डॉलर) अधिक है जो 11.9 प्रतिशत की वृद्धि है। यह 10 साल पहले इस ग्रासकोर्ट ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में प्रतियोगियों को दी गई दो करोड़ 50 लाख पाउंड (मौजूदा विनिमय दर पर 3 करोड़ 20 लाख डॉलर) से दोगुनी है। ऑल इंग्लैंड क्लब की नई अध्यक्ष डेबोरा जेवांस ने कहा कि टिकटों की मांग इस साल से अधिक कभी नहीं रही। इस साल के विजेताओं को मिलने वाली राशि में प्रत्येक वर्ग में 3,50,000 पाउंड (लगभग 4,50,000 डॉलर) की बढ़ोतरी हुई है जो 14.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एकल के पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 2023 में 55,000 पाउंड (70,000 डॉलर) से बढ़ाकर 60,000 पाउंड (लगभग 76,000 डॉलर) मिलेंगे। क्वालीफाइंग प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार 14.9 प्रतिशत बढ़कर 48 लाख पाउंड (लगभग 60 लाख डॉलर) हो जाएगा।

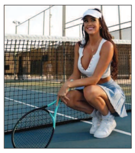

न्यूयॉर्क की पिच पर खेलना कठिन, रणजी जैसा अनुभव हुआ : शिवम

न्यूयॉर्क। ऑलराउंडर शिवम दुबे ने अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्वकप में 31 रन बनाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अब शिवम ने कहा है कि यहां की पिच पर खेलना बेहद कठिन था। इस कारण एक समय उन्हें लगा कि जैसे वह रणजी ट्रॉफी खेल रहे हों। शिवम इससे पहले आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में विफल रहे थे। उसको लेकर शिवम ने कहा, मैं अपनी फॉर्म हासिल करने का प्रयास कर रहा था पर मेरे ऊपर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं था और सभी ने मेरा सहयोग और समर्थन किया जिससे मेरा मनोबल बढ़ा। साथ ही कहा, मुझे कभी खुद पर संदेह नहीं रहा। मुझे लगता है कि ये हालात वैसे नहीं हैं जैसे आईपीएल में थे। इसलिए यहां खेलने के लिए अलग रवैये की जरुरत है। इसलिए मैं आज अलग तरह से बल्लेबाजी कर रहा था। शिवम ने आईपीएल की अंतिम पांच पारियों में सिर्फ 36 रन बनाए थे। विश्व कप में पहले ओर दूसरे मैच में भी वह नाकाम रहे थे। उन्होंने कहा, ऐसा लगा जैसे रणजी ट्रॉफी खेल रहा हूं। साथ ही कहा कि हालात तय करते हैं कि आप यहां कैसे खेलना चाहते हैं। छक्का मारने के लिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट खेलना होगा। आज, मैं उस अवसर का इंतजार कर रहा था। यहां आकर पहली गेंद से ही शॉट खेलना करना आसान नहीं है, इसमें समय लगाने की जरुरत रहती है। साथ ही कहा कि इन पिचों पर बल्लेबाजी करने में मजा न आया हो पर गेंदबाजी करना उन्हें निश्चित रूप से पसंद है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह इस स्थान पर अपने संघर्ष की कठिन यादों को मिटाना चाहेंगे, उन्होंने कहा, मैं इसे अपनी यादों से नहीं मिटाऊंगा क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप है।

टी20 विश्वकप में भाग ले रहे गॉर्डन और जॉर्डन में है कई समानताएं

न्यूयार्क (एजेंसी)। टी20 विश्वकप 2024 में अब तक वेस्टइंडीज और अमेरिका की धीमी पिचों पर गेंदबाज खासे सफल रहे हैं पर इसके बाद भी कुछ गेंदबाज ऐसे हैं जो महगे साबित हुए हैं। इसमें कनाडा के जेरेमी गॉर्डन और इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन हैं। इन दोनो के ही नाम एक पारी में सबसे अधिक रन देने का अनचाहा रिकार्ड है। इन दोनों ने ही अबतक 44-44 रन दिए हैं , इसके अलावा इन दोनो में कई और समानताएं भी हैं।दोनों ही 30 वर्ष से अधिक उम्र के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। गॉर्डन की उम्र 37 वर्ष है जबकि जॉर्डन की 35 वर्ष। इन दोनों ने टूर्नामेंट में दो-दो मैच खेले हैं और दो-दो ही विकेट लिए हैं।

ये दोनो ही मूल रुप से वेस्टइंडीज से हैं। गॉर्डन जहां गयाना के स्टेनले टाउन में जन्मे, वहीं जॉर्डन का जन्म बारबडोस में हुआ है। जेरेमी गॉर्डन ने अब तक 10 वनडे में 18 और 14 टी20 में 19 विकेट हासिल किए हैं। दूसरी ओर क्रिस जॉर्डन 8 टेस्ट, 35 वनडे और 92 टी20 खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में 21, वनडे में 46 और टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट उन्होंने लिए हैं। गॉर्डन ने पहले मैच में ही अमेरिका के खिलाफ 3 ओवर में 44 रन दे दिये जबकि इंग्लैंड के जॉर्डन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में 4 ओवरों में 44 रन लुटा दिये। ये दोनों टी20 विश्वकप 2024 में अब तक एक पारी में सबसे अधिक रन देने वाले गेंदबाज हैं। गार्डन के 3 ओवर में 44 रन बने थे, इसलिए वे नंबर वन पर हैं जबकि जॉर्डन नंबर दो पर हैं।

टी20 वर्ल्डकप में अब तक तीन गेंदबाजों ने ही अपने चार ओवर में 42-42 रन दिये हैं। इसमें कनाडा के साद बिन जफर, आयरलैंड के जोश लिटिल और उगांडा के कॉसमॉस केवुता शामिल हैं. साद ने अमेरिका के खिलाफ मैच 4 ओवर में 42 रन दिए थे। लिटिल ने भारत के खिलाफ मैच में और केवुता ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में यह रन दिए थे। वैसे टी20 वर्ल्डकप में सबसे महंगी गेंदबाजी का रिकॉर्ड श्रीलंका के सनथ जयसूर्या के नाम पर है। सनथ ने 2007 के पहले टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में चार ओवर में 64 रन दिए थे।

इंटर मियामी मेरा आखिरी क्लब होगा : लियोनेल मेसी

अटलांटा। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अपने देश अर्जेंटीना के किसी क्लब से जुड़कर खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं है और उन्होंने कहा कि इंटर मियामी उनका अंतिम क्लब होगा। अर्जेंटीना के कप्तान ने ईएसपीएन से कहा कि मुझे लगता है कि इंटर मियामी मेरा अंतिम क्लब होगा। आज की तारीख में मैं यही सोचता हूं कि यह मेरा अंतिम क्लब होने जा रहा है। मेसी अमेरिका में अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ कोपा अमेरिका की तैयारी कर रहे हैं। अर्जेंटीना इस टूर्नामेंट का पिछला चैंपियन है। मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना ने 2022 में कतर में विश्व कप जीता था। बार्सिलोना के पूर्व स्टार मेसी का इंटर मियामी के साथ अनुबंध 2025 के सत्र के समापन तक है। उन्होंने कहा कि यूरोप से यहां आने का फैसला मुश्किल था। विश्व चैंपियन बनने से बहुत मदद मिली, और चीजों को अलग तरह से देखने का मौका भी मिला। लेकिन मैं इस बारे में नहीं सोचता। मैं खेल का आनंद लेने का प्रयास करता हूं। अर्जेंटीना के कई प्रशंसकों को उम्मीद थी कि मेसी अपने पहले क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज की तरफ से खेलकर अपने करियर का अंत करेंगे।

शहजाद ने बाबर आजम पर सवाल उठाये: निचले स्तर की टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को भ्रम में डाला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट विश्व कप में अपनी खराब कप्तानी के कारण पूर्व क्रिकेटरों के निशाने पर हैं। कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें कप्तानी छोड़कर अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने को कहा है। विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका जैसी नई टीम से हारने के बाद से ही आजम की मुश्किलें बढ़ गयीं थी। वहीं भारत से हार के बाद तो उनके आलोचक और मुखर हो गये हैं। पाक टीम को कनाडा के खिलाफ मिली जीत के दौरान भी खासा संघर्ष करना पड़ा है और उसपर सुपर आठ से बाहर होने की तलवार लटकी हुई है। इसी सब के बीच ही बल्लेबाज अहमद शहजाद ने भी उन्हें आड़े हाथों लिया है।

शहजाद का कहना है कि ऐसे किंग का क्या किया जाये जो किसी काम का नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ अहम मुकाबले में जीत के करीब पहुंचने के बाद भी पाक टीम के खिलाड़ी दबाव नहीं झेल पाए और ऐसे अहम मैच में कप्तान बाबर एक अच्छा स्कोर नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी भी मैच में बेहद लचर नजर आयी। शहजाद ने कहा कि अगर बाबर टीम के लिए मैच नहीं जीत सकते तो ऐसे किंग का कोई फायदा नहीं है। शाहजाद ने एक शो के दौरान कहा कि उन्होंने निचले स्तर की बी, सी और डी टीमों के खिलाफ रन बनाकर लोगों को गुमराह किया है। खेल को विकसित करने के लिए पीसीबी ने उनका वेतन बढ़ाया था, पर उन्होंने ये पैसा पैसा छवि निर्माण के लिए लगा दिया। शहजाद ने बड़े मैचों में बाबर आजम के औसत और स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाए और कहा कि वह बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में अपने स्कोर, अपने आंकड़े, अपने औसत और अपने स्ट्राइक रेट को देखें। बाबर कहां है ये सभी को नजर आ जाएगा।

यूरो कप 2024 में अहम भूमिका निभाएंगे रोनाल्डो : छेत्री

-लय में आने पर हो जाते हैं बेहद खतरनाक

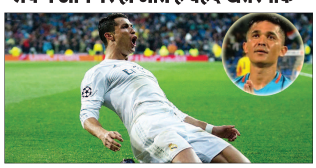

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जितना खतरनाक कोई अन्य खिलाड़ी नहीं हैं। छेत्री के अनुसार यूरो कप 2024 में भी रोनाल्डो अहम भूमिका निभाएंगे। 39 साल के रोनाल्डो ने नवंबर 2023 के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय गोल नहीं किया है। इसके बाद भी छेत्री का कहना है कि रोनाल्डो जैसा कोई और नहीं है। छेत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोनाल्डो अधिक से अधिक मैच खेलेंगे। मैं उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। हो सकता है कि वह शुरुआत में तेजी से नहीं खेल पायें पर एक बार लय में आने के बाद उनके जैसा खतरनाक खिलाड़ी दूसरा कोई नहीं है। पुर्तगाल की टीम कई स्टार खिलाड़ियों से भरी है। साथ ही कहा कि वे गेंद को अपने पास रखने में बहुत अच्छे हैं, अधिकतर वे विरोधी टीम पर हावी रहते हैं। उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए वे रोनाल्डो को बेंच पर भी रख सकते हैं। हाल में खेल को अलविदा कहने वाले छेत्री ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि कोच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन करेगा पर रोनाल्डो का होना हमेशा ही टीम को बढ़त देता है। वो एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैदान पर जब भी मौका मिलता है तो उस अवसर को गोल में बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि एक प्रशंसक के तौर पर, जिसने पिछले 20 सालों में उनसे बहुत कुछ सीखा है, मुझे उम्मीद है कि हम उन्हें मैदान पर और भी ज्यादा समय तक देख पाएंगे। छेत्री को यूईएफए यूरो 2024 के लिए विशेषज्ञ पैनल में रखा गया है।

बेहतर बल्लेबाज भी बनना चाहता हूं, जीत के बाद बोले अर्शदीप सिंह

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह इन दिनों अपनी गेंदबाजी से कहर बरपा रहे हैं लेकिन वह इतने से ही संतुष्ट नहीं हैं और निचले क्रम का विश्वसनीय बल्लेबाज बनना चाहते हैं जिसके लिए बल्लेबाजी को विक्रम राठौर के साथ कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं। अर्शदीप ने अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में 9 रन देकर चार विकेट लिए और भारत की सात विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे उसने अंतिम आठ में अपनी जगह सुरक्षित की।

अर्शदीप ने मैच के बाद कहा, 'हम हमेशा कुछ नया सीखने का प्रयास करते हैं। हम सभी विभागों फिर चाहे वह गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी या फिर क्षेत्ररक्षण, में बेहतर बनने का प्रयास करते हैं क्योंकि आप नहीं जानते कि टीम को कब आपसे कुछ रन की जरूरत पड़ जाए।' उन्होंने कहा, 'यह दो या चार रन भी हो सकते हैं। इसलिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मैं विक्रम भाई के साथ जितना संभव हो कड़ी मेहनत करने की कोशिश करता हूं।'

अर्शदीप ने पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून को नौवें नंबर के बल्लेबाज के रूप में उतरकर 13 गेंद पर नौ रन की उपयोगी पारी खेली थी। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उस मैच में उन्होंने ही जसप्रीत बुमराह से पहले बल्लेबाजी के लिए उतारने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा, 'जस्सी भाई को मुझसे पहले बल्लेबाजी के लिए उतरना था लेकिन मैं रोहित (शर्मा) से पूछकर पहले गया। वह इससे हैरान थे लेकिन मैंने उनसे कहा कि आप कुछ भी कहो मैं पहले बल्लेबाजी के लिए जाऊंगा। मुझे अपनी बल्लेबाजी पर पूरा विश्वास है। फिर चाहे फील्डिंग हो या गेंदबाजी आप बेहतर बनने की कोशिश करते हैं।'

अर्शदीप ने टूर्नामेंट के बारे में कहा कि परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत को ग्रुप ए का अपना अंतिम मैच कनाडा के खिलाफ फ्लोरिडा के लाडरहिल में खेलना है। इसके बाद टीम सुपर 8 के मैच खेलने के लिए वेस्टइंडीज जाएगी। अर्शदीप ने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण यह कि आप परिस्थितियों से कैसे तालमेल बिठाते हैं। अगर विकेट से गेंदबाजों को मदद मिल रही हो तो हम शुरू में विकेट लेने की कोशिश करते हैं और अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करते हैं ताकि गेंदबाजों को बड़े लक्ष्य का बचाव करने को मिले।'

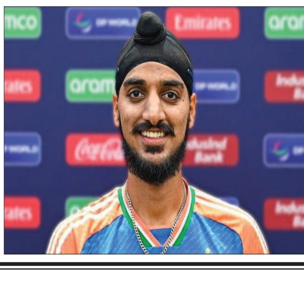

जनजातीय विकास राज्य मंत्री, कुँवरजीभाई हलपति की उपस्थिति में, मांडवी तालुक के बलालतीर्थ अहंदिया देव और अमलिया डूंगर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया

सूरत। जनजातीय विकास राज्य मंत्री श्री कुँवरजी हलपति की अध्यक्षता में सूरत जिले के मांडवी तालुक के बालालतीर्थ अहंदिया देव और तुकेड़ के अमालिया डूंगर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वच्छ और हरित यात्राधाम कार्यक्रम का उद्देश्य यात्राधामों में अधिक पेड़ लगाकर और हरित परिसर बनाकर पर्यावरण पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को कम करना है।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि आज जब दुनिया भर में ग्लोबल वार्मिंग की समस्या देखी जा रही है तो इससे बचने के लिए पेड़ लगाना बहुत जरूरी है. देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर चिंतित हैं और पेड़ लगाने का आह्वान करते हैं। मंत्री ने चौधरी समाज की आस्था के केंद्र अहंदिया देव डूंगर और तुकेड़ गांव के आमलिया डूंगर को च्क्लीन एंड ग्रीन यात्रा धामज कार्यक्रम के माध्यम से वृक्षों से आच्छादित करने का अनुरोध किया. अधिक से अधिक पौधे लगाकर और आस्था स्थल को हरा-भरा बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

इस मौके पर बारडोली सांसद प्रभुभाई वसावा ने कहा कि अगली पीढ़ी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए पौधे लगाना जरूरी है. उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया पर्यावरणीय विसंगतियों के कारण ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से जूझ रही है, तब सभी के लिए यह आवश्यक है कि वे नैतिक जिम्मेदारी के तहत न केवल पौधे लगाएं बल्कि उनका नियमित रूप से पालन-पोषण भी करें।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष रोहितभाई पटेल, एपीएमसी अध्यक्ष जशवंतभाई, तालुका पंचायत सदस्य आतिशभाई चौधरी, प्रमुख दिनेशभाई, मांडवी प्रांतीय अधिकारी कौशिकभाई जादव, मामलतदार एफ. बी. वसावा, तालुका विकास अधिकारी रवीन्द्रभाई सोलंकी, आरएफओ मांडवी, पृथ्वीराज वाघेला, सरपंचश्री कमलेशभाई, भूपेन्द्रभाई, वन विभाग के कर्मचारी और ग्रामीण उपस्थित थे।

लक्ष्मीपति मिल को मिला स्वच्छता का अवार्ड

सुरत भुमि, सूरत। गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (जीपीसीबी) द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण के लिए पांडेसरा स्थित लक्ष्मीपति मिल को अवार्ड दिया गया। जीपीसीबी द्वारा टेक्सटाइल उद्योग की मिलों का सर्वे किया गया एवं स्वच्छ मिल एवं प्लांटेशन के लिये लक्ष्मीपति मिल को अवार्ड दिया गया। जीपीसीबी की रीजनल ऑफिसर जिग्ना बेन ने यह अवार्ड दिया एवं लक्ष्मीपति ग्रुप की ओर से पीआरओ पुनीत तायल ने अवार्ड ग्रहण किया।

फ्लिपकार्ट ने भारतीय खिलौना निर्माताओं को समर्थन देने और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए DPIIT के साथ सहयोग किया

दिल्ली । भारत के घरेलू ईकॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट और उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) ने भारत को वैश्विक खिलौनों के लिए च्खिलौना निर्यात केंद्र” के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से एक कार्यशाला का आयोजन किया। आपूर्ति श्रृंखला में भारत की क्षमता को बढ़ाना। कार्यशाला में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करने वाले नवीन और अच्छी गुणवत्ता वाले खिलौने बनाने के लिए स्थानीय निर्माताओं को उन्नत और पुन: कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के प्रयास में, सरकार ने खिलौनों के लिए एक समावेशी राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीटी) तैयार करने सहित रणनीतिक पहलों की एक श्रृंखला लागू की है। एनएपीटी के तहत एक प्रमुख पहल का उद्देश्य नए नवाचारों के साथ भारतीय खिलौना उद्योग की गुणवत्ता में सुधार और बाजार का विस्तार करना है।

कार्यशाला में देश भर के हजारों खिलौना निर्माताओं ने भाग लिया, जिसमें फ्लिपकार्ट के साथ इंटरैक्टिव और विशेषज्ञ के नेतृत्व वाली चर्चाएं शामिल थीं, जिसमें गुणवत्ता में सुधार, नवाचार और उद्योग नियमों के अनुपालन को शामिल किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय खिलौना निर्माताओं को उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और उन्हें अपना व्यवसाय ऑनलाइन बढ़ाने में मदद करने के लिए आवश्यक उपकरणों, ज्ञान और अनुसंधान से लैस करना था। इस कार्यक्रम में श्री राजेश कुमार सिंह, सचिव (डीपीआईआईटी), श्री संजीव, संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी, मोहम्मद इशरार अली, निदेशक डीपीआईआईटी, रजनीश कुमार, मुख्य कॉर्पोरेट मामलों के अधिकारी, फ्लिपकार्ट और मंजरी सिंघल, एफएमसीजी प्रमुख और जनरल उपस्थित थे। माल, फ्लिपकार्ट दिया गया। आयोजन की सफलता पर टिप्पणी करते हुए, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) के सचिव, श्री राजेश कुमार सिंह कहते हैं, “हम भारतीय खिलौना क्षेत्र के विकास के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने के लिए समर्पित हैं। फ्लिपकार्ट जैसे उद्योग जगत के नेताओं के साथ साझेदारी करके, हम भारत को गुणवत्तापूर्ण खिलौनों का अग्रणी निर्यातक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। हमारा मानना है कि सही मार्गदर्शन और समर्थन के साथ, भारत खिलौना निर्माण में एक पावरहाउस बन सकता है।”

फ्लिपकार्ट के मुख्य कॉर्पोरेट मामलों के अधिकारी, रजनीश कुमार कहते हैं, “फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस के माध्यम से हम स्थानीय खिलौना निर्माताओं को देश भर के उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए एक मंच प्रदान करने में सक्षम हुए हैं और इस प्रकार उनके विकास का समर्थन कर रहे हैं। हम भारत में खिलौना उद्योग को मजबूत करने और वैश्विक खिलौना विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में भारत के विकास में तेजी लाने में मदद करने के लिए वाणिज्य मंत्रालय के डीपीआईआईटी के प्रयासों का समर्थन करके बहुत खुश हैं।”

दिल को स्वस्थ रखने के लिए अपनी डाइट में शामिल करें ये 3 चीजें

आजकल की भागदौड़ भरी दुनिया में कई लोग बहुत व्यस्त जिंदगी जीते हैं और इसका प्रभाव उनके दिल की सेहत पर पड़ सकता है। काम की आपाधापी, डिजिटली लगातार जुड़े रहना और घर-काम के संतुलन का दबाव कई बार क्रॉनिक तनाव, एंजाइटी और खुद की देखभाल में लापरवाही के रूप में सामने आता है। साथ ही इन सबसे लड़ने के अस्वस्थकर तरीकों की वजह से अक्सर तनाव हो जाता है। ऐसे में जरूरत से अधिक खाना, धूम्रपान या शराब का अत्यधिक सेवन जोखिम को और बढ़ाने का काम करते हैं। साथ ही तनाव व खराब जीवनशैली की आदतें हृदय से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा देती हैं। ऐसे में तनाव का नियंत्रण, नियमित एक्सरसाइज, हृदय को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आधुनिक जीवन जीने का एक संतुलित तरीका अपनाने की जरूरत है।

हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए आहार में शामिल किए जाने वाले 3 खाद्य पदार्थ :

बादाम: आपके भोजन में शामिल होने योग्य जो नट है वो है बादाम। बादाम में उच्च मात्रा में कैल्शियम, विटामिन ई, मैग्नीशियम और फाइबर होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है और ये हृदय रोगों के खतरे को कम करने के लिए आपकी डाइट में सेहतमंद फैट्स को शामिल करता है। बादाम के साथ-साथ अन्य नट्स से हृदय संबंधी समस्याओं को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। इसका अर्थ है कि इससे रक्त वाहिकाएं (ब्लड वेसल्स) आराम की स्थिति में आ जाती हैं और धमनी का कड़कपन कम हो जाता है। आपको काम पर जाने से पहले सुबह की दिनचर्या के रूप में इन नट्स को खाना चाहिए या फिर आप इसे अपने रोजाना के शाम के स्नैक के रूप में भी ले सकते हैं।

ओट्स: ये एक घुलनशील फाइबर है, जोकि आपकी रक्तधारा में मौजूद कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण

को कम करके आपके च्बैडज् कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर देता है। हृदय की सेहत को ध्यान में रखकर लिए जाने वाले खानपान के साथ ओट्स खाने से आपका दिल सेहतमंद बनता है।

लहसुन: इसमें एलीसिन नामक एक तत्व होता है जोकि ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है और दिल को तंदुरुस्त बनाने में मददगार हो सकता है। कई अध्ययनों में ये बात सामने आई है कि लहसुन के सेवन का दिल पर सुरक्षात्मक प्रभाव पड़ता है।

टी-20 विश्व कप के बीच स्प्रिंट एरा द्वारा महिला क्रिकेट प्रेमियों के लिए सूरत में टीसीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया

सुरत भुमि, सूरत। आईपीएल और टी-20 विश्व कप के कारण देश में क्रिकेट के उत्साह को बढ़ाते हुए, टीसीएल (टॉप चैंपियंस लीग) सूरत सीजन-दो महिला क्रिकेट टूर्नामेंट शनिवार 8 और 9 को सावनी फार्म, मोटा वराछा, सूरत में आयोजित किया जाएगा। जून. और यह रविवार को किया गया। श्री महेश सवानी, अध्यक्ष पीपी सवानी समूह और श्री गौरांग मिस्त्री, संस्थापक IIIC-अंकविश्व और श्री वल्लभ बापू, पीपी सवानी समूह और श्री यशभाई, सी। मनसुखलाल ज्वैलर्स सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे और महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इस टूर्नामेंट में एप्पल फूड्स और माई एरिया प्लस गिफ्टिंग पार्टनर बने और सी. मनसुखलाल ज्वैलर्स ने एक टीम का समर्थन किया और पी.पी. सावनी ग्रुप ने पूरे टूर्नामेंट को प्रायोजित किया। इसके अलावा एच.वी. के ग्रुप और अन्य कॉरपोरेट्स का भी समर्थन मिला. पीपी सवाणी ग्रुप के श्री वल्लभ बापू ने चौकों-छक्कों के साथ-साथ हैट्रिक विकेट के लिए खिलाड़ियों को केस पुरस्कार दिए। स्प्रिंट एरा द्वारा क्रिकेट के पूरे प्रोजेक्ट को सपोर्ट करके आईपीएल जैसा माहौल तैयार किया गया। विमेंस टॉप चैंपियनशिप लीग (टीसीएल) सूरत सीजन 2 में कुल 12 टीमों ने भाग लिया। जिसमें पिछले साल की तरह महिला पुलिस टीम ने भी हिस्सा लिया और टूर्नामेंट में महिला टीम का नेतृत्व एसीपी मिनी जोसेफ ने किया। टीसीएल गैर-पेशेवर महिलाओं जैसे गृहिणी, मां, कामकाजी महिला, उद्यमी, छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करती है और महिला टीमों को अवसर देती है। तब सूरत में भी महिलाओं ने इसी तरह हिस्सा लिया था।

प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ियों के साथ स्थानापन्न खिलाड़ियों सहित 15 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों और टीम को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जैसे टूर्नामेंट की महिला, अधिकतम चार, अधिकतम छह, अधिकतम विकेट, विजेता टीम और उपविजेता टीम ट्रॉफी। टीसीएल चैंपियंस कप आईपीएल स्तर की सबसे बड़ी ट्रॉफी थी। इसके साथ ही विजेता और उपविजेता टीमों को डिजाइनर ट्रॉफी और दोनों टीमों के खिलाड़ियों को मेडल के अलावा सर्टिफिकेट दिए गए।

इस बारे में टीसीएल की आयोजक निमिषा शाह ने कहा कि सीजन एक की सफलता के बाद सूरत में टीसीएल सीजन दो को लेकर महिला क्रिकेटरों में काफी उत्साह था. ऐसी कई महिलाएं हैं जिनके पास क्रिकेट में अद्भुत प्रतिभा है लेकिन हम उन महिलाओं को एक मंच देने के लिए काम कर रहे हैं जिन्हें कभी इस तरह से खेलने का अवसर नहीं मिला है।

ग्राउंड मैनेजमेंट और स्ट्रैटेजीज के मित्तल शाह ने कहा कि महिला क्रिकेटरों के लिए टीसीएल टॉप चैंपियंस लीग 15 साल से अहमदाबाद में आयोजित की जाती रही है और राजकोट और वडोदरा में एक-एक सीज़न आयोजित किया गया है, लेकिन इस बार सूरत में दूसरा सीज़न है। इन शहरों में लगातार आयोजन के कारण टीसीएल टूर्नामेंट को प्रमुख स्थान मिला है।

फॉगसी ने भारत में व्यस्क महिलाओं और नई माँओं के लिए विस्तृत टीकाकरण शेड्यूल पेश किया

फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज़ ऑफ इंडिया (फॉगसी) ने हाल ही में महिलाओं के लिए एक विस्तृत टीकाकरण शेड्यूल पेश किया है, जिसमें व्यस्क महिलाओं और नई माँओं को लगाए जाने वाले आवश्यक टीकों की विस्तृत सूची और टीकाकरण की अनुशंसित आवृत्ति दी गई है। फॉगसी और एमएसडी फार्मा ने भारत में महिला टीकाकरण की जागरुकता बढ़ाने और टीकों द्वारा महिलाओं की बीमारियों को रोकने में मदद करने के लिए गठबंधन किया है। अभिनेत्री और महिला स्वास्थ्य की समर्थक, काजल अग्रवाल ने हाल ही में मुंबई में आयोजित एक समारोह में टीकाकरण शेड्यूल का अनावरण किया। इस अवसर पर उनके साथ डॉ. जयदीप टांक, प्रेसिडेंट, फॉगसी; डॉ. माधुरी पटेल, सेक्रेटरी जनरल, फॉगसी; प्रो. डॉ. हृषिकेश पाई, फॉगसी के पिछले प्रेसिडेंट और एफआईजीओ (एशिया - ओशिनिया) के वर्तमान ट्रस्टी; डॉ. रेशमा पाई, फॉगसी की पूर्व प्रेसिडेंट; डॉ. नंदिता पलशेतकर, फॉगसी की पूर्व प्रेसिडेंट और आईएसएआर (इंडियन सोसाइटी ऑफ आर्टिफिशियल रिप्रोडक्शन) की पिछली प्रेसिडेंट और डॉ. प्रिया गणेशकुमार, फॉगसी ऑन्कोलॉजी कमिटी की चेयरपर्सन मौजूद थीं, जो फॉगसी के लिए इस परियोजना का नेतृत्व कर रही हैं।

फॉगसी के प्रेसिडेंट, डॉ. जयदीप टांक ने कहा, ‘‘महिलाओं के लिए फॉगसी का अपडेटेड टीकाकरण शेड्यूल उनके निवारक स्वास्थ्य की ओर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस विस्तृत संसाधन से महिलाओं और डॉक्टरों को स्पष्ट होगा कि उन्हें क्या करना है, जिससे टीकाकरण के बारे में जागरुकता बढ़ेगी। टीकाकरण महिलाओं को बीमारियों से सुरक्षा देने के लिए महत्वपूर्ण है और इससे भारत में इसका भार कम करने में मदद मिलेगी। मेरा विश्वास है कि यह कार्यक्रम भारत में महिलाओं की सेहत और स्वास्थ्य में बड़ा योगदान देगा और इससे पूरे समाज को फायदा मिलेगा।’’

इस लॉन्च के बाद वक्ताओं ने ‘महिलाओं में टीकाकरण और टीके द्वारा बीमारियों को रोकने के महत्व’ (इंपॉर्टेंस ऑफ इम्युनाईज़ेशन एंड वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिज़ीज़ेज़ इन वीमैन) पर एक पैनल वार्ता भी की। इस रिपोर्ट में सामने आया कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले खराब सेहत में 25 प्रतिशत ज्यादा समय बिताती हैं। टीकाकरण से इस स्थिति में परिवर्तन लाया जा सकता है और महिलाओं को टीका लगाकर उन्हें बीमारियों से बचाया जा सकता है, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

यूनिफाई कैपिटल ने गिफ्ट सिटी में अपनी हाल ही में स्थापित सहायक कंपनी के माध्यम से दो फंड लॉन्च किए

यूनिफाई कैपिटल ने गुजरात में गिफ्ट सिटी ङ्कस्नस्ष्ट में एक सहायक - IML - खोली और इस कंपनी के माध्यम से दो नए निवेश फंड लॉन्च किए। इससे उनके विदेशी और अनिवासी भारतीय निवेशकों को फंड को फिर से रूट किए बिना सीधे निवेश करने में मदद मिलेगी। रंगोली इंडिया फंड - जो चेन्नई में G20 पोर्टफोलियो आउटबाउंड निवेश पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय कंपनियों में निवेश करता है

यूनिफाई कैपिटल भारत में एक प्रमुख पोर्टफोलियो प्रबंधन कंपनी है। इसकी सहायक कंपनी - यूनीफी इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट थ्रू एलएलपी (यूएमएल) ने गिफ्ट सिटी, इंटरनेशनल फाइनेंस सर्विसेज सेंटर में दो नए फंड ऑफर की शुरुआत की घोषणा की। यूनिफाई कैपिटल के संस्थापक और सीआईओ श्री सरथ रेड्डी ने कहा, “यूनीफाई आईएम की स्थापना हमारी अंतरराष्ट्रीय क्षमताओं का एक रणनीतिक विस्तार है और हमें वैश्विक निवेश बाजारों के साथ भारत के बढ़ते एकीकरण के लिए तैयार करती है। यूनीफाई के विदेशी और अनिवासी भारतीय निवेशक अब अपतटीय क्षेत्राधिकारों से गुजरे बिना सीधे हमारे केंद्रीकृत भारतीय पोर्टफोलियो में निवेश कर सकते हैं। इसी तरह, हमारे भारतीय निवेशक अब उसी सुव्यवस्थित माध्यम से सीधे विश्व बाजारों में निवेश कर सकते हैं।

“ प्राथमिक प्रस्ताव रंगोली इंडिया फंड है, जो सेबी के साथ पंजीकृत एक इनबाउंड कैट III एआईएफ के रूप में एक श्रेणी 1 एफपीआई है। च्मिश्रित-रंगोलीज्ज रणनीति के समान एक फंड, विकास व्यवसायों में एक मूल्य-उन्मुख निवेशक है। यह भारतीय कंपनियों में निवेश करता है जो बढ़ती मध्यम वर्ग और घरेलू आय, अनौपचारिक क्षेत्र की औपचारिकता और उभरती राष्ट्रीय कोर क्षमताओं के लाभार्थी हैं। एक अन्य फंड जी 20 पोर्टफोलियो है, जो वर्तमान में संचालन के तहत एक आउटबाउंड पीएमएस है। भारतीय एचएनआई निवेशकों के लिए विश्व स्तर पर 20 प्रमुख सूचीबद्ध व्यवसायों को लाकर, वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी संपत्ति में विविधता लाने और अपने पोर्टफोलियो जोखिम-समायोजित रिटर्न को अनुकूलित करने में सक्षम हैं। बना देगा। सीई और यूआईएमएल के प्रधान अधिकारी श्री कृष्णा प्रसाद ने कहा, च्सेबी का हालिया निर्णय गिफ्ट सिटी में स्थित एफपीआई के लिए 100% एनआरआई निवेश और डायस्पोरा को लक्षित करने वाले ऐसे फंडों के लिए एक प्रमुख की अनुमति देता है।

हायर इंडिया ने होम एस्थेटिक्स को फिर से परिभाषित किया: मॉडर्न किचन अपग्रेड के लिए मैट फिनिश स्टील डोर वाले ग्रेफाइट रेफ्रिजरेटर किए पेश

भारत। लगातार 15 सालों से नंबर 1 वैश्विक प्रमुख उपकरण ब्रांड, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने अपनी ग्रेफाइट सीरीज का अनावरण किया है। यह स्टील डोर रेफ्रिजरेटर की एक प्रीमियम रेंज है, जिसमें मैट फिनिश और आधुनिक डिजाइन है, जो भारतीय घरों के एस्थेटिक्स को बढ़ाती है। यह सीरीज 205 से 602 लीटर तक की क्षमता में उपलब्ध होगी, जो विभिन्न भंडारण आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिससे यह हर भारतीय घर के लिए उपयुक्त है।

प्रीमियमाइजेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, नए रेफ्रिजरेटर की रेंज में एक स्मूथ मैट फिनिश डिजाइन है, जो आधुनिक भारतीय घरों में सहजता से मिश्रण करता है और समकालीन सुंदरता के साथ किचन के स्पेस को ऊंचा करता है। यह सीरीज डायरेक्ट कूल, टॉप-माउंटेड, बॉटम-माउंटेड, 2-डोर साइड-बाय-साइड, और 3-डोर साइड-बाय-साइड सहित कई कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध है। हायर ने अपने क्रांतिकारी 3-डोर वाईफाई कन्वर्टिबल साइड बाय साइड रेफ्रिजरेटर की रेंज में भी मैट फिनिश सीरीज को पेश की है, जिससे उपयोगकर्ता हाइस्मार्ट ऐप का उपयोग करके कहीं से भी फ्रीजर सेक्शन को फ्रिज में बदल सकते हैं।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, हायर अप्लायंसेज इंडिया के प्रेजिडेंट, श्री एनएस सतीश ने कहा, ‘‘हायर में, हमारी स्थायी प्रतिबद्धता ग्राहक-प्रेरित अभिनव समाधान प्रदान करने के इर्द-गिर्द घूमती है जो देश भर में रोजमर्रा की जिंदगी को समृद्ध बनाती है। हमारा रणनीतिक फोकस व्यापक अनुसंधान, अत्याधुनिक तकनीकों और अत्यधिक कुशल निर्माण प्रक्रियाओं के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में सर्वोत्तम श्रेणी के उत्पादों को पेश करने पर केंद्रित है। दो दशकों से अधिक समय से भारतीय बाजार में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के बाद, हमारी ग्रेफाइट सीरीज का लॉन्च प्रीमियम नवाचार और डिजाइन का सही संयोजन पेश करके उपभोक्ताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को पहचानते हुए, हम ऐसे उपकरणों की पेशकश करने के अपने प्रयास में दृढ़ हैं जो सौंदर्य संबंधी उत्कृष्टता के साथ दक्षता को जोड़ते हैं। हमें विश्वास है कि हमारी नई रेंज प्रीमियम अनुभव प्रदान करेगी, जो हमारे ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं के साथ पूरी तरह से मेल खाएगी।’’

हाल के वर्षों में, भारतीय उपभोक्ताओं के बीच अपने घरों की सजावट को अधिक महत्व देने और उन्हें अपने व्यक्तित्व के प्रतिबिंब के रूप में देखने में उल्लेखनीय बदलाव आया है। इस बदलती प्रवृत्ति और बढ़ती मांग को स्वीकार करते हुए, हायर ने ग्रेफाइट सीरीज पेश की है, जो आधुनिक भारतीय घरों के एस्थेटिक्स को उन्नत करते हुए नवीन सुविधाओं और प्रीमियम डिजाइन का एक आदर्श संयोजन है। ग्रेफाइट श्रृंखला में वाईफ़ाई सक्षम स्मार्ट रेफ्रिजरेटर भी शामिल हैं, जिन्हें आप कहीं से भी कनेक्ट और नियंत्रित कर सकते हैं।

रेफ्रिजरेटर की नई रेंज में टर्बो आइसिंग फीचर है, जो सभी मॉडलों पर उपलब्ध है, जो पावरफुल कूलिंग और फ्रीजिंग प्रदान करता है, जिससे भोजन, सब्जियों और फलों की ताजगी और स्वाद को संरक्षित करते हुए समय की बचत होती है। इसके अतिरिक्त, बॉटम-माउंटिंग मॉडल 1-घंटे की आइसिंग सुविधा से लैस हैं, जो तेजी से फ्रीजिंग सुनिश्चित करता है और फैमिलीज़ को ठंडे पेय और फ्रोजन ट्रीट्स का आनंद लेने देता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)